हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 302, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 21 अप्रैल, 2022 दिन गुरुवार | गाजीपुर/वाराणसी

इस दशक का बड़ा ब्रांड बन सकता है हील इन इंडिया

शुरू करेंगे आयुष वीजा कैटेगरी : प्रधानमंत्री मोदी

गांधीनगर के महात्मा मंदिर में ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट का उद्घाटन

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी के तीन दिवसीय गुजरात दौरे का आज अंतिम दिन है। पीएम मोदी ने बुधवार को गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में आयोजित ग्लोबल आयुष इन्वेस्टमेंट एंड इनोवेशन समिट का उद्घाटन किया। इस मौके पर डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस घेब्रेयसस और मारीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ भी मौजूद रहे। पीएम ने बड़ा एलान करते हुआ कहा कि भारत एक स्पेशल आयुष मार्क भी बनाने जा रहा है। भारत में बने उच्चतम गुणवत्ता के आयुष प्रॉडक्ट्स पर ये मार्क लगाया जाएगा। ये आयुष मार्क आधुनिक टेक्नोलॉजी के प्रावधानों से युक्त होगा। इससे विश्व भर के लोगों को क्वालिटी आयुष प्रॉडक्ट्स का भरोसा मिलेगा। इसके अलावा पीएम ने कोरोना काल को याद किया। उन्होंने कहा, 'हम सभी देख रहे थें कि उस दौरान किस तरह आयुर्वेदिक दवाइयां, आयुष काढ़ा और ऐसे अनेक प्रोडक्ट्स इम्यूनिटी बढ़ाने में लोगों की मदद कर रहे थे। कोरोना कालखंड में भारत में से हल्दी का एक्सपोर्ट अनेक गुना बढ़ गया था। इसी दौर में हमने देखा कि जो मॉर्डन फार्मा कंपनियां हैं, वैक्सीन मैन्यूफैक्चर्स हैं, उन्हें उचित समय पर निवेश मिलने पर उन्होंने कितना बड़ा कमाल करके दिखाया।' मोदी ने कहा, 'हमनें अक्सर देखा है कि अलग

अलग सेक्टर्स में निवेश के लिए इन्वेस्टमेंट समिट होती रही है, लेकिन ये पहली बार है जब आयुष सेक्टर के लिए इस तरह की समिट हो रही है। ऐसी इन्वेस्टमेंट समिट का विचार मुझे उस समय आया था जब कोरोना की वजह से पूरी दुनिया में हड़कंप मचा हुआ था।' आयुष के क्षेत्र में निवेश और नवाचार की संभावनाएं असीमित हैं। आयुष दवाओं, सप्लिमेंट्स और कॉस्मेटिक्स के उत्पादन में हम पहले ही अभूतपूर्व तेजी देख रहे हैं। 2014 में जहां आयुष सेक्टर 3 बिलियन डॉलर से भी कम का था। आज ये बढ़कर 18 बिलियन डॉलर के भी पार हो गया।

भारत में शुरू हुआ स्टार्टअप का स्वर्णिम युग- आयुष मंत्रालय ने ट्रेडिशनल मेडिसिन्स क्षेत्र में स्टार्टअप कल्चर को प्रोत्साहन देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं। कुछ दिन पहले ही आल इंडिया इंस्टिट्यूट आफ आयुर्वेद के द्वारा विकसित एक ऊष्मायन केंद्र का उद्घाटन किया गया है। भारत के स्टार्टअप्स का एक स्वर्णिम युग शुरू हो चुका है। एक प्रकार से भारत में आज यूनिकॉर्न का दौर है। वर्ष 2022 में ही अब तक भारत के 14 स्टार्टअप्स यूनिकॉर्न क्लब में जुड़ चुके हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि बहुत ही जल्द आयुष के हमारे स्टार्टअप्स भी यूनिकॉर्न उभरकर सामने आएगा। एफएसएसएआई ने भी पिछले ही हफ्ते अपने नियमों में आयुष आहार नाम की एक नयी कैटेगरी घोषित की है। इससे हर्बल nutritional supplements के उत्पादकों को बहुत सुविधा मिलेगी। बहुत जरूरी है कि मेडिसिनल प्लांट्स की पैदावार से जुड़े किसानों को आसानी से मार्केट से जुड़ने की सहूलियत मिले। इसके लिए सरकार आयुष ई-मार्केट प्लेस के आधुनिकीकरण और उसके विस्तार पर भी काम कर रही है।

लाल किले से औरंगजेब और सिख इतिहास की याद दिलाएंगे पीएम मोदी

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी सिख पंथ के नौवें गुरु तेगबहादुर के प्रकाश पर्व के मौके पर 21 अप्रैल को लाल किले से देश को संबोधित करेंगे। 400वें प्रकाश पर्व पर शबद कीर्तन के लिए 400 ही रागियों को आमंत्रित किया गया है। इसका अपना प्रतीकात्मक महत्व है। लेकिन सबसे अहम बात गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर लाल किले से संबोधन होना है। सिख इतिहास के जानकार मानते हैं कि यह पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से राष्ट्रवाद, और सिख इतिहास पर एक संदेश देने का प्रयास है। लाल किले पर आयोजन का महत्व बताते हुए संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन ने कहा कि मुगलों ने लाल किले पर गुरु तेग बहादुर को फांसी देने का आदेश दिया था। गुरु तेग बहादुर सिखों के नवें गुरु थे। उन्होंने काश्मीरी पंडितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का विरोध किया था। 1675 में मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें इस्लाम स्वीकार करने को कहा। जिस पर गुरु तेग बहादुर ने कहा कि सीस कटा सकते हैं केश नहीं। इसके बाद औरंगजेब ने तेग बहादुर का सिर काट दिया था। गुरु तेग बहादुर को समर्पित दिल्ली के चांदनी चौक का गुरुद्वारा शीशगंज गुरुद्वारा साहिब के नाम से जाना जाता है। क्योंकि लाल किले के पास इसी जगह पर औरंगजेब ने गुरु तेग बहादुर का सिर काटा था। बता दें कि लाल किले की प्राचीर से भारत के प्रधानमंत्री द्वारा हर साल स्वतंत्रता दिवस के मौके पर देश को संबोधित करने की प्रथा रही है।

लुधियाना में आग लगने से बिहार के एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत

लुधियाना। पंजाब के लुधिया में बिहार के रहने वाले एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। यह परिवार लुधियाना में रहकर मजदूरी करता था। बुधवार की सुबह उनकी झोपड़ी में आग लग गई और इसके चलते सभी की जिंदा जलकर मौत हो गई। लुधियाना ईस्ट के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर सुरिंदर सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग प्रवासी मजदूर थे और सुबह जब अपनी झोपड़ी में सो रहे थे, उसी वक्त आग लग गई। इसके चलते बच निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई। पंजाब के लुधिया में बिहार के रहने वाले एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई है। यह परिवार लुधियाना में रहकर मजदूरी करता था। बुधवार की सुबह उनकी झोपड़ी में आग लग गई और इसके चलते सभी की जिंदा जलकर मौत हो गई। लुधियाना ईस्ट के असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर सुरिंदर सिंह ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ये सभी लोग प्रवासी मजदूर थे और सुबह जब अपनी झोपड़ी में सो रहे थे, उसी वक्त आग लग गई। इसके चलते बच निकलने का मौका नहीं मिला और उनकी जिंदा जलने से दर्दनाक मौत हो गई।

7 से 13 फीसदी बढ़ेगा 5वें और 6वें वेतन आयोग के तहत सेलरी पाने वाले कर्मचारियों का डीए

नई दिल्ली। सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत सेलरी पाने वाले केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में इजाफा करने के बाद अब 5वें और 6वें वेतन आयोग वाले कर्मचारियों को भी तोहफा दिया है। इन कर्मचारियों के डीए में 13 फीसदी तक बढ़ोतरी की जाएगी। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने बताया कि 5वें वेतन आयोग के तहत सेलरी पाने वाले कर्मचारियों का डीए मौजूदा 368 फीसदी से बढ़ाकर 381 फीसदी किया जाएगा। इसमें 13 फीसदी का बंपर इजाफा होगा। 6वें वेतन आयोग के तहत काम करने वाले कर्मचारियों का डीए 196 फीसदी से बढ़ाकर 203 फीसदी किया जाएगा। इसमें 7 फीसदी की बढ़ोतरी की जाएगी। बढ़ा हुआ डीए जनवरी, 2022 से लागू होगा और बीते महीने का भुगतान एरियर के रूप में किया जाएगा। बढ़े डीए का लाभ केंद्रीय स्वायत्त संस्थानों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को दिया जाएगा। केंद्र सरकार ने 7वें वेतन आयोग का लाभ लेने वाले कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में 3 फीसदी का इजाफा किया था, जो अब 31 फीसदी से बढ़कर 34 फीसदी पहुंच गया है। महंगाई भत्ता बढ़ने से केंद्रीय कर्मचारियों के ट्रेवल अलाउंस और हाउस रेंट अलाउंस में भी इजाफा होगा। यह बढ़ोतरी भी 1 जनवरी, 2022 से लागू होगी और बीते महीनों का भुगतान एरियर के रूप में किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश : मास्क लगाना जरूरी करें स्कूलों में बच्चों को कोविड प्रोटोकॉल पर जागरुक करें

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को लेकर कहा कि पिछले कुछ दिनों से विभिन्न राज्यों में कोविड के केस में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एनसीआर के जिलों में भी इसका प्रभाव है। विगत 24 घंटे में गौतमबुद्ध नगर में 103 और गाजियाबाद में 33 नए पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हुई है।

एनसीआर के जिलों तथा लखनऊ में सभी के लिए सार्वजनिक स्थानों पर फेस मास्क लगाया जाने की व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का अनुपालन के लिए जागरूक किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को टीम 9 की बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बच्चों की स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर हमें सतर्क रहना होगा। यथा आवश्यक स्कूलों में कोविड प्रोटोकॉल के बारे में बच्चों को जागरूक किया जाए। एनसीआर के जनपदों (गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, बुलंदशहर, बागपत) तथा लखनऊ जनपद में टीकाकरण से छूटे लोगों को चिन्हित कर वैक्सीनेट किया जाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया जाए। प्रदेश में वर्तमान में कुल एक्टिव केस की संख्या 856 है। विगत 24 घंटों में 01 लाख 13 हजार कोरोना टेस्ट किए गए, जिसमें 170 नए कोरोना मरीजों की पुष्टि हुई। इसी अवधि में 110 लोग उपचारित होकर कोरोना मुक्त भी हुए। हमें पूरी सावधानी और सतर्कता बरतनी होगी। कोविड टीकाकरण अभियान की प्रगति संतोषप्रद है। किंतु बच्चों के टीकाकरण को और तेज करने की आवश्यकता है।

30 करोड़ 86 लाख से अधिक कोविड टीकाकरण के साथ ही 18 वर्ष से अधिक आयु की पूरी आबादी को टीके की कम से कम एक डोज लग चुकी है, जबकि 86.69 प्रतिशत से अधिक वयस्क लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है। 15 से 17 आयु वर्ग में 94.26 प्रतिशत किशोरों को पहली खुराक मिल चुकी है। 12 से 14 आयु वर्ग के बच्चों को पहली डोज के बाद अब पात्रता के अनुसार दूसरी डोज भी दी जाए। 18 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को बूस्टर डोज लगाए जाने में तेजी की अपेक्षा है। प्रत्येक दशा में यह सुनिश्चित किया जाए कि एक भी नागरिक टीकाकवर से वंचित न रहे। बूस्टर डोज की महत्ता और बूस्टर टीकाकरण केंद्रों के बारे में आमजन को जागरूक किया जाए।

भारत ने फिर शुरू किया रूस को एक्सपोर्ट

नई दिल्ली। यूक्रेन युद्ध के बीच भारत ने बड़ा कदम उठाते हुए रूस को एक्सपोर्ट फिर से शुरू कर दिया है। रूस के कहने पर भारतीय उद्योग ने चाय, चावल, फल, कॉफी, समुद्री उत्पादों और कन्फेक्शनरी के एक्सपोर्ट को फिर से शुरू कर दिया। उद्योग के सूत्रों ने कहा कि पिछले एक्सपोर्ट में गैर-बासमती चावल के 100 से अधिक कंटेनर और समान संख्या में समुद्री उत्पाद और कन्फेक्शनरी कंटेनर शामिल हैं। सूत्रों ने कहा कि भारतीय निर्यातकों के लिए रूस में अपनी वस्तुओं को स्थापित करने के वास्ते बड़े अवसर खुल गए हैं। 24 फरवरी को यूक्रेन पर आक्रमण के बाद रूस को एक्सपोर्ट बंद हो गया था। लेकिन युद्ध शुरू होने से पहले जो शिपमेंट रूस गए थे, उनका लगभग 2,000 करोड़ रुपये का भुगतान रुक गया था, क्योंकि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते रूस को स्विफ्ट बैंकिंग सिस्टम से डिस्कनेक्ट कर दिया गया था। हालांकि, निर्यातकों और भारत सरकार ने अभी-मौजूदा चैनलों के जरिए अपना काम किया है जिसके माध्यम से यूरोपीय देश रूस के

साथ व्यापार कर रहे हैं। चीन द्वारा पॉज बटन दबाए जाने के बाद रूस अपने वैज्ञानिक सहयोग का विस्तार करने के लिए भी भारत के संपर्क में है। रूसी विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष अलेक्जेंडर सर्गेव ने पिछले सप्ताह कहा था कि फार्मास्यूटिकल्स, अंतरिक्ष और डिजिटल ऐसे क्षेत्र हैं जहां रूस भारत के साथ अपना सहयोग बढ़ाना चाहता है।

आजम खां के परिवार से मिले जयंत : सपा से नाराजगी की खबर के बीच आरएलडी अध्यक्ष की मुलाकात ने बढ़ाया सियासी पारा

रामपुर। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी बुधवार सुबह समाजवादी पार्टी के कद्दावार नेता आजम खां के घर पहुंचे। यहां पर उन्होंने आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा और बेटे एवं स्वार सीट से विधायक अब्दुल्ला आजम से मुलाकात की। इसके बाद वो बिलासपुर के लिए रवाना हो गए। जयंत चौधरी की आजम खां के बेटे और पत्नी से ये मुलाकात मौजूदा हालातों में प्रदेश का सियासी पारा बढ़ाने वाली लग रही है, क्योंकि इस मुलाकात के बाद आजम खां के सपा को अलविदा कहने की आशंकाओं की चर्चा ने और जोर पकड़ लिया है। हालांकि जयंत चौधरी ने इस मुलाकात को पारिवारिक बताया और कहा कि रामपुर आए थे तो उनकी जिम्मेदारी थी कि वो आजम खां के परिजनों से मिलें। आजम खां के रालोद में शामिल होने के सवाल पर कहा कि ये उनकी मंशा नहीं है वो गठबंधन का धर्म निभा रहे हैं। आजम खां को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष न बनाए जाने के बाद से ही मुस्लिम समाज के लोगों से लेकर आजम खां के करीबियों ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। आजम खां के मीडिया प्रभारी फसाहत अली खां शानू के बयान के बाद से रोजाना आजम खां के समर्थक कहीं न कहीं कोई प्रदर्शन कर रहे हैं, खून से खत लिख रहे हैं और बयान जारी कर रहे हैं। ऐसे में आजम खां के सपा का साथ छोड़ने की अटकलें भी तेज हो गई हैं। इस बीच बुधवार सुबह रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी आजम खां के घर पहुंचे। यहां पर उन्होंने आजम खां की पत्नी डॉ. तजीन फात्मा, बेटे स्वार सीट से विधायक अब्दुल्ला आजम से मुलाकात की। कुछ सपा नेताओं और आजम समर्थकों में अखिलेश यादव को लेकर चल रही नाराजगी के बीच जयंत चौधरी की इस मुलाकात ने आजम खां के सपा छोड़ने की अटकलों और कयासों को और हवा दे दी है, जिसके बाद चचाओं का दौर शुरू हो गया है।

फिर से टेंशन देने लगा है कोरोना 2 हजार से ज्यादा नए केस मिले

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस की तीसरी लहर के कमजोर पड़ने के बाद जो राहत मिली थी, वह अब खत्म होती दिख रही है। बुधवार को सामने आए आंकड़े में बीते एक दिन में फिर से कोरोना के 2,000 से ज्यादा नए केस मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मामले भी 12,340 हो गए हैं, जो बीते दिनों 11 हजार के करीब थे। इससे पहले सोमवार को भी 2,000 से ज्यादा नए केस मिले थे, लेकिन मंगलवार को 1,247 केस मिलने से राहत महसूस की जा रही थी। लेकिन फिर से नए आंकड़े ने चिंताएं पैदा कर दी हैं। खासतौर पर दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के शहरों में केसों में इजाफा हो रहा है। कुल 2,000 केसों में से करीब एक तिहाई मामले अकेले दिल्ली एनसीआर के ही हैं। दिल्ली में मंगलवाप को कोरोना के 632 नए केस मिले हैं, जो 100 से भी नीचे पहुंच गए थे। इस बीते करीब 10 दिनों से दिल्ली में कोरोना के नए केसों में तेजी से इजाफा हो रहा है। हालांकि राहत की बात यह है कि राजधानी में कोरोना के चलते किसी की भी मंगलवार को मौत नहीं हुई है। ऐसे में माना जा रहा है कि नए केसों के इजाफे की रफ्तार भले ही बढ़ी है, लेकिन इस बार कोरोना उतना मारक नहीं है। दिल्ली में सक्रिय मामलों की संख्या भी अब 2,000 के करीब पहुंचने वाली है। मंगलवार को कुल सक्रिय मामले 1,947 थे। हालांकि महाराष्ट्र में इस बार कोरोना की रफ्तार कम दिख रही है, जो दूसरी और तीसरी लहर में वायरस का हॉटस्पॉट बन गया था। लेकिन फिलहाल कोरोना केसों में उतनी तेजी नहीं दिख रही है। मंगलवार को राज्य में 137 नए केस मिले हैं। इसके अलावा तीन लोगों की कोरोना के चलते मौत हो गई। लेकिन इन नए मामलों में भी हब मुंबई ही है। कुल 137 मामलों में से 85 केस अकेले मुंबई में पाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी चला बुलडोजर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनवाई के दौरान यथा स्थिति रखने के आदेश के बाद भी जहांगीरपुरी में बुलडोजर चलता रहा। स्थगन आदेश की जानकारी मिलते ही एमसीडी ने मस्जिद परिसर के अतिक्रमण हटाने बुलडोजर भेज दिया। एमसीडी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी अधिकृत रुप से नहीं मिलने की बात कहकर मस्जिद से लगी हुई दुकानों एवं गेट का अतिक्रमण बुलडोजर से तोड़ दिया। इसी बीच पूर्व सांसद बृन्दा कारात जहांगीरपुरी पहुंची। उन्होंने एडीशनल डीजी सुरक्षा दीपेन्द्र पाठक से चर्चा कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की जानकारी दी। उसके बाद बुलडोजर की कार्यवाही रोकी गई। सुप्रीम कोर्ट के स्थगन आदेश के बाद भी एमसीडी के अधिकारियों ने तोड़फोड़ जारी रखी। इसे सुप्रीम कोर्ट की अवमानना भी कहा जा रहा है। गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की पुनः सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद उ.प्र., म.प्र., गुजरात सहित अन्य राज्यों में चल रहे बुलडोजर की कार्यवाही धम जाएगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट, केन्द्र सकार एवं राज्य सरकारों का क्या रुख होगा यह कल की सुनवाई के बाद ही स्पष्ट होगा। वरिष्ठ

अधिवक्ता दुष्यंत दवे ने सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले को उठाया। दवे ने कहा कि यह नार्थ डेल्ही म्यूनिसिपल कारपोरेशन द्वारा अतिक्रमण विरोधी अभियान जहांगीरपुरी इलाके में शुरू किया गया, जहां हाल की में सांप्रदायिक संघर्ष हुआ है. दवे ने कहा कि यह गंभीर मामला है, जिसके लिए शीर्ष अदालत के तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। दवे ने कहा, किसी को कोई नोटिस दिए बगैर जहांगीरपुरी इलाके में पूरी तरह से अनाधिकृत और असंवैधानिक विध्वंस का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा अधिकारियों को लोगों को कम से कम पांच-छह दिन पहले नोटिस देना चाहिए था। दवे ने कहा कि इसे दोपहर 2 बजे शुरू किया जाना था, लेकिन उन्होंने सुबह 9 बजे से ही विध्वंस की कार्रवाई शुरू कर दी, यह जानते हुए कि मामले को अदालत के सामने रखा जाएगा। मुख्य न्यायाधीश ने विध्वंस अभियान पर यथास्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया और मामले को गुरुवार को सुनवाई के लिए उपयुक्त पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की।

गृह मंत्रालय ने दो लोगों को आतंकवादी घोषित किया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य शेख सज्जाद उर्फ सज्जाद गुल और अल बद्र के सदस्य आरजूमंद गुलजार डार उर्फ हमजा बुरहान को जम्मू कश्मीर में अनेक आतंकवादी घटनाओं में शामिल रहने के मद्देनजर आतंकवादी घोषित किया। डार आतंकवाद और हिंसा की अन्य घटनाओं के वित्तपोषण में शामिल रहा है, वहीं गुल श्रीनगर में 2018 में पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या का षड्यंत्र रचने में शामिल था। गुल और डार केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आतंकवादी घोषित किए गए 37वें और 38वें शख्स हैं। केंद्र ने इन दोनों को मिलाकर पिछले एक पखवाड़े में कुल आठ लोगों को आतंकवादी घोषित किया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि गुल जम्मू कश्मीर में हथियार और गोला-बारूद जब्त होने के एक मामले में फरार चल रहा है और वह लश्कर के समर्थन में जम्मू कश्मीर में नौजवानों को सक्रियता से बरगला रहा है और भर्ती कर रहा है। मंत्रालय ने कहा कि वह आतंकवाद के वित्तपोषण में भी शामिल रहा है। गृह मंत्रालय के अनुसार 14 जून, 2018 को श्रीनगर के व्यस्त प्रेस एन्क्लेव में प्रतिष्ठित पत्रकार बुखारी की उनके दो निजी सुरक्षा अधिकारियों के साथ हत्या करने के लिए लश्कर के कुछ अन्य सदस्यों के साथ साजिश रचने में गुल शामिल पाया गया था। गुल की आतंकवादी गतिविधियों को देखते हुए मंत्रालय ने उसे विधिविरुद्ध क्रियाकलाप (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) के तहत आतंकवादी घोषित किया है। गुल श्रीनगर की रोज एवेन्यू कॉलोनी एचएमटी शालतेंग का रहने वाला है। 10 अक्टूबर, 1974 को जन्मा गुल लश्कर का एक कमांडर है। वह केंद्र द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया 37वां शख्स है। जम्मू कश्मीर के पुलवामा जिले के रतनीपोरा का रहने वाला डार 23 वर्ष का है। वह आतंकवादी संगठन अल बद्र का सदस्य है और वैध दस्तावेजों पर पाकिस्तान जाकर उसने इस समूह की सदस्यता ली थी।

चिंतन मनन

सेना प्रमुख की चुनौतियां

लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे देश के अगले थल सेना प्रमुख होंगे। केंद्र सरकार ने नए सेनाध्यक्ष के तौर पर उनकी नियुक्ति के प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। वह इसी महीने 30 अप्रैल को रिटायर हो रहे सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की जगह एक मई को भारतीय सेना की कमान संभालेंगे। कई विशेष सैन्य आपरेशनों में हिस्सा ले चुके लेफ्टिनेंट जनरल पांडे इस समय देश के उप सेना प्रमुख हैं। सरकार ने नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति में इस बार वरिष्ठता की कसौटी का पालन करना मुनासिब समझा है और लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे वर्तमान शीर्षस्थ अधिकारियों में सबसे वरिष्ठ हैं। खास बात यह भी है कि वह सेना प्रमुख के पद पर पहुंचने वाले कार्प्स आफ इंजीनियर ब्रांच के पहले अफसर हैं। उप सेना प्रमुख बनने से पहले लेफ्टिनेंट जनरल पांडे पूर्वी कमान के कमांडिंग आफिसर और अंडमान-निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ का पद भी संभाल चुके हैं। सेना के काबिल अफसरों में शुमार किए जाने वाले पांडे सेना में अपनी सेवाओं के लिए परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल आदि से सम्मानित किए जा चुके हैं। पांडे ने नेशनल डिफेंस एकेडमी और इंडियन मिलिट्री एकेडमी के जरिये 1982 में कार्प्स आफ इंजीनियर में बतौर सेना अधिकारी कमीशन हासिल किया था। वह ब्रिटेन के कैमबर्ले के स्टाफ कालेज का भी हिस्सा रहे और संयुक्त राष्ट्र के कई शांति मिशनों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। लेफ्टिनेंट जनरल पांडे ने संसद पर हमले के बाद भारत-पाकिस्तान सीमा पर आपरेशन पराक्रम में तैनाती के दौरान जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर 117 इंजीनियर रेजिमेंट का नेतृत्व भी किया था। इसके बाद आर्मी वार कालेज महू से हायर कमांड कोर्स पूरा किया और मेजर जनरल बनने के बाद पश्चिमी लद्दाख में ऊंचाई वाले अभियानों में शामिल आठ माउंटेन डिवीजन की कमान संभाली। फिर सेना मुख्यालय में सैन्य अभियान निदेशालय में अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) के रूप में काम किया। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे ऐसे समय देश के सेना प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे जब बीते दो साल से पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर चल रही सैन्य जटिलताएं अभी भी बनी हुई हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के आने के बाद जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के नए खतरों की आशंकाएं कायम हैं तो मौजूदा रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रिप्रेक्ष्य में नई तरह की सामरिक चुनौतियों से रूबरू होना पड़ेगा। इनके बीच सेना का आधुनिकीकरण और जरूरी अस्त्र-शस्त्रों की यथाशीघ्र आपूर्ति नए सेना प्रमुख के लिए सबसे अहम होगी। लेफ्टिनेंट जनरल मनोज पांडे के सेनाध्यक्ष बनने के बाद तीनों सेना प्रमुख एनडीए के 61वें बैच के होंगे। वायुसेना अध्यक्ष एयर चीफ मार्शल विवेक राम चौधरी और नौसेना अध्यक्ष एडमिरल हरि कुमार उसी बैच के हैं। घर में सैन्य पृष्ठभूमि न होने के बावजूद उनके सेना में जाने की कहानी बेहद दिलचस्प है। पांडे परिवार शहर से दूर नागपुर यूनिवर्सिटी कैंपस में रहता था। उनके घर के आसपास कोई बड़ा स्कूल नहीं था। हालांकि, घर से कुछ दूरी पर वायु सेना नगर में एक केंद्रीय विद्यालय था, लेकिन उसमें बाहरी स्टूडेंट्स के लिए कोई प्रवेश नहीं था। उनके पिता डॉ. पांडे ने वायु सेना के अधिकारियों से मनोज को स्कूल में दाखिला देने के लिए अनुरोध किया, जिसे उन्होंने मान लिया। यहां पढ़ने के दौरान उन्होंने सेना का अनुशासन देखा और यहीं से मन बनाया कि वे भी आर्मी ज्वाइन करेंगे। यहीं पढ़ने के दौरान 11वीं कक्षा में पढ़ते हुए उन्होंने केंद्रीय लोक सेवा आयोग की परीक्षा पास की और एनडीए में शामिल हो गए। वहां तीन साल का कोर्स पूरा करने के बाद उन्होंने मिलिट्री इंजीनियरिंग कॉलेज, देहरादून से इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। इसके बाद 1982 में वह बॉम्बे सैपर्स आर्मी इंजीनियरिंग सर्विस में शामिल हुए। उनके छोटे भाई संकेत पांडे भी सेना में कर्नल रहे और कुछ साल पहले सेवानिवृत्त हुए हैं। सबसे छोटे भाई डॉ. केतन पांडे वर्तमान में ब्रूनेई के राजा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। मनोज पांडे के बेटे अक्षय और उनकी पत्नी सौम्या सिंह भी सेना में हैं और वर्तमान में वायु सेना में पायलट हैं।

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है। सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षों में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

धर्म का मर्म नहीं समझने वाले ही करते हैं दंगा-फसाद और नफरत परोसते हैं

धर्म का बाजारीकरण और राजनीतिकरण दोनों स्वस्थ समाज और स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। धर्म का बाजारीकरण बढ्ने से धर्म मुनाफे वाला चोखा धंधा बन जाता है। धर्म का राजनीतिकरण होने से राजनीति के सारे दुर्गुण (छल, कपट ,प्रपंच, सत्ता लोलुपता इत्यादि) धर्म में समाहित होने लगते हैं। अंततः धर्मसत्ता और राजसत्ता के घालमेल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जनता के अधिकार और जनता की स्वतंत्रता पर खतरा मंडराने लगता है। धर्मसत्ता और राजसत्ता के बेढब और बेमेल घालमेल के कारण ही लगभग सम्पूर्ण यूरोपीय महाद्वीप रोमन साम्राज्य के पतन से लेकर सोलहवीं शताब्दी में हुए पुनर्जागरण के पूर्व तक अंधकार के गहन गर्त में डूबा रहा। पुनर्जागरण और धर्मसुधार आंदोलन के बाद जब धर्मसत्ता और राजसत्ता का स्पष्ट विभाजन हुआ तब यूरोपीय महाद्वीप आधुनिक वैज्ञानिक और तार्किक चेतना के साथ विकास के पथ पर अग्रसर हुआ। अतीत का गहराई से अध्ययन किया जाए तो ज्ञात होता है कि- जब-जब धर्मसत्ता और राजसत्ता का आपस में घालमेल हुआ है तो उस समाज में अंधभक्ति और अंधविश्वास का साम्राज्य प्रवर्तित हुआ है तथा जनता पर अत्याचार और शोषण की धार बढती गई । यूरोप का इतिहास गवाह धर्मसत्ता और राजसत्ता की दोनों तलवारों ने जनता का निर्ममता पूर्वक शोषण किया। धर्म का राजनीति करण होने जनता के बुनियादी मुद्दे और नारे गौण होने लगते हैं। धीरे-धीरे धार्मिक नारे जनता के नारे बनते जाते हैं। राजसत्ता की प्राप्ति के लिए धर्म का इस्तेमाल जब-जब होता हैं समाज एक उन्मादी भीड में बदलने लगता है । इसलिए दूरगामी दृष्टि से राजनीति में धर्म का इस्तेमाल जनता के अधिकारों और स्वतंत्रताओ से परिपूर्ण समाज के लिए बाधक होता हैं।

धर्म एक दिया हैं जिससे अज्ञानता के अंधकार को दूर किया जाता हैं तथा जिससे अविद्या और अंधविश्वास का नाश होता है। इसलिए इससे अपने कर्तव्य को दिव्यालोकित करिए और अपने सम्पूर्ण जीवन चरित्र को दुग्ध धवल ज्योत्स्ना की तरह स्वच्छ , शीतल और सुवासित बनाइये। धर्म की गलत व्याख्या के कारण धर्म एक खतरनाक औजार बन जाता हैं । जिसके तांडव से मानवता कराहने लगती हैं। गलत व्याख्या के कारण धर्म अज्ञानता तथा अविद्या के अंधकार को दूर करने के वाले दिये के रूप में नहीं बल्कि घर और बस्तियां जलाने वाली माचिस की तिली बन जाता हैं। इसलिए इस देश में रहने वाले समस्त धर्मावलंवियो से निवेदन है कि-शुद्ध अंतः करण से अपनी-अपनी धार्मिक पुस्तकों का बार बार अध्ययन करें। अगर कोई सच्चा धार्मिक व्यक्ति ईमानदारी से अपनी धार्मिक पुस्तकों का अध्ययन करता है तो वह किसी इंसान से कभी नफरत कर ही नहीं सकता हैं। अलग-अलग विद्वानों ने धर्म की अलग-अलग व्याख्या की है और अलग-अलग तरीके परिभाषित किया है। परन्तु सबके अनुसार धर्म मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन को नैतिक बनाने का सबसे कारगर हथियार है। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के अनुसार धर्म सत्य की खोज करने और विद्यमान सभी पदार्थों में एकता का दर्शन करने का माध्यम है। अधिकांश धर्मप्रवर्तको के अनुसार धर्म का कार्य परम-सत्य, परम ब्रह्म, परम तत्व और सर्वव्यापी सर्वशक्तिमान ईश्वर को प्राप्त करना अथवा साक्षात्कार करना है। परम तत्व के साक्षात्कार से ही परमानंद की प्राप्ति होती हैं।

धर्म का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को उसके जीवन के सत्यासत्य से परिचित कराते हुए उसकी आत्मिक और आध्यात्मिक उन्नति सुनिश्चित करना है। मनुष्य की आध्यात्मिक उन्नति होने पर मनुष्य के अंदर अपने समान मनुष्यों के प्रति समदृष्टि और जीव जंतुओं के प्रति करूणा का भाव उत्पन्न हो जाता हैं। सामाजिक जीवन में सर्वोच्च, सर्वोत्तम और सर्वोत्कृष्ट मानवतावादी मूल्यों, मान्यताओं और आदर्शों को स्थापित करना हैं। इन मूल्यों, मान्यताओं और आदर्शों से निरंतर अनुप्राणित, अनुरंजित और अनुशासित होते हुए मनुष्य अपने श्रेष्ठ नैतिक और चारित्रिक गुणों का विकास करता है और विकास करते हुए नैतिक, सचरित्र , प्रसन्नचित्त और आत्मबल तथा आत्मविश्वास से परिपूर्ण जीवन जीने का प्रयास करता है । साथ ही साथ इन स्थापित मूल्यों, मान्यताओं और आदर्शों की मार्गदर्शना में मनुष्य अपने समस्त दुगुर्णो , दुर्विकारों और चारित्रिक दुर्बलताओं को दूर कर स्वस्थ्य, समरस और सहिष्णु समाज का निर्माण करने का प्रयास करता है। जैसे-जैसे मनुष्य का हृदय उच्च नैतिक मूल्यों, मान्यताओं और आदर्शों को आत्मसात करता जाता हैं वैसे-वैसे उसके हृदय से समस्त प्रकार की संकीर्णताऐं और विकृतियॉ तिरोहित होने लगती है । फलस्वरूप उसका हृदय व्यापक और विशाल मानवता के प्रति विश्वास से तरंगित और उमंगित होने लगता है। विशाल और व्यापक हृदयों के सहयोग, साहचर्य, समन्वय और सहकार से ही विश्वबंधुत्व और विश्वशॉति का स्वप्न इस बसुन्धरा पर वास्तविकता के धरातल पर अवतरित हो सकता हैं।

सहज,सरल और साधारण अर्थ में ब्रह्माण्ड के प्रत्येक पदार्थ और अवयव का कोई न कोई धर्म अवश्य होता हैं। जैसे अग्नि का धर्म है उष्णता, पानी का धर्म है शीतलता, वृक्ष का धर्म है निःस्वार्थ रूप से छाया और मीठे फल प्रदान करना, वायु का धर्म है पर्यावरण में प्रत्येक प्राणी के लिए स्वस्थ और स्वच्छ जीवन हेतु वायुमंडल निर्मित करना और बसुन्धरा का धर्म है प्रत्येक जीव-जंतुओं और वनस्पतियों के पालन पोषण हेतु आवश्यक वस्तुएँ निरंतर उत्पन्न करते रहना। परन्तु व्यापक अर्थ में धर्म का वास्तविक अर्थ है- व्यक्ति का व्यक्ति से, व्यक्ति का प्रकृति से, व्यक्ति का समाज से तथा व्यक्ति का सृष्टि के साथ संबंधों का सच्चा ज्ञान, बोध और समझ प्राप्त करते रहना, तद्नुकूल प्रकृति,समाज और सृष्टि के साथ सर्वोत्तम और सर्वोत्कृष्ट आचरण, व्यवहार , कर्तव्य और दायित्व सुनिश्चित करना । प्रकारांतर से व्यापक अर्थ में धर्म का सम्बंध समस्त प्रकार के सत्य ज्ञान को उद्घाटित करना और सम्पूर्ण मानव समाज को उसका बोध कराना तथा सत्य के ज्ञान और बोध द्वारा मनुष्य को सत्कर्म के लिए निरंतर प्रेरित करना।

प्राचीन काल से भारत सहित समस्त पाश्चात्य और अन्य वैश्विक आध्यात्मिक ,धार्मिक और दार्शनिक चिंतन परम्पराओं और गवेषणाओं का केंद्रीय विषय-वस्तु मनुष्य , मनुष्य का आचरण व्यवहार और मनुष्य की गतिविधियां रही है। प्राचीन यूनानी दार्शनिक परम्परा के सुप्रसिद्ध सोफिस्ट दार्शनिक प्रोटेगोरस ने कहा था कि-" मनुष्य समस्त वस्तुओं का मापदंड हैं "(ेल्ल/२ ३ी ीं- २४१ीिल्ल३ ङ्ग '' ३ॅल्लॅ२)। यही विचार तुलसीदास रचित रामचरित मानस की पंक्तियों में भी उद्धरित हैं :-"सकल पदारथ मोहिं उपजाएं , सबसे अधिक मनुज मोहिं भाए"।

आदिम युग का मानव अनपढ़ , असभ्य और बर्बर था। वह प्राकृतिक घटनाओं के ज्ञान-विज्ञान से पूरी तरह अनभिज्ञ था और इसलिए प्राकृतिक घटनाओं से भयभीत होकर प्राकृतिक शक्तियों की पूजा और उपासना करता था। कालान्तर में धर्म का स्वरूप जैसे-जैसे परिष्कृत और परिमार्जित होता गया वैसे-वैसे यह असभ्य, अनपढ़ , अज्ञानी और बर्बर मानव को शिक्षित, दीक्षित, प्रशिक्षित और संस्कारित कर मनुष्य के आत्मिक, नैतिक, मानसिक और साँस्कृतिक उत्थान करने का सर्वाधिक सशक्त माध्यम बन गया। नैतिक मानसिक और सास्कृतिक उत्थान द्वारा ही मनुष्य को नैतिक , सचरित्र और समाज के लिए उपयोगी नागरिक बनाया जा सकता हैं। मनुष्य के नैतिक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और चारित्रिक उत्थान के लिए प्रायः विश्व के सभी धर्मों ने कुछ सुनिश्चित कर्मकांड और क्रियाकलाप निर्धारित किए हैं । इन धार्मिक क्रियाकलापों और कर्मकांडों का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य के दिल, दिमाग ,मन ,मस्तिष्क और हृदय में समाहित हिंसा, घृणा, क्रूरता और क्रोध सहित समस्त पाशविक प्रवृत्तियों को पूरी तरह निर्मूल कर दया करूणा परोपकार सदाशयता,सहानुभूति और मनुष्यता की भावना को जाग्रत करना है । इसलिए जब-जब इस बसुन्धरा पर मानवता गहरे संकट में फंसी,सम्पूर्ण समाज अराजकता का शिकार हुआ,सामाजिक सम्बन्धों में खटास आई, बैर-भाव वैमनस्य अपनी पराकाष्ठा पर पहुंचा, सहकार , समन्वय, साहचर्य , सहिष्णुता पर खतरा मंडराया, सामाजिक अनुशासन भंग हुआ, लोक-जीवन के आचरण- व्यवहारो और आदतों में अशिष्टता और अनुशासन हीनता बढने लगी तथा व्यक्ति के साथ-साथ सृष्टि पर भी विनाश के बादल उमड़ने-घुमडने लगे तो किसी न किसी रूप में कोई न कोई धर्म,विचार ,दर्शन, सिद्धांत,और संकल्पना इस बसुन्धरा पर अवश्य अवतरित हूई।वस्तुतः अपने मौलिक स्वरूप में दुनिया के सभी धर्मों का आविर्भाव मानव ,मानवता, स्वस्थ्य मानवीय संबंधों को बचाने और समाज को बेहतर बनाने के लिये हुआ।

मनोज कुमार सिंह "प्रवक्ता "
बापू स्मारक इंटर कॉलेज दरगाह मऊ।
उप सम्पादक-- कर्मश्री मासिक पत्रिका।

रामनवमी की शोभायात्राओं पर देशभर में जिहादी आक्रमण ! इस विषय पर विशेष संवाद !

हिन्दू समाज जब तक प्रतिकार नहीं करेगा, तब तक हिन्दू त्योहारों के समय होनेवाले जिहादी आक्रमण नहीं रुकेंगे ! – अधिवक्ता मोतीसिंह राजपुरोहित

हिन्दू नववर्ष, श्रीरामनवमी, श्री हनुमान जयंती आदि हिन्दुओं के त्योहारों के समय देशभर में निकाली गई शोभायात्राओं पर जिहादी प्रवृत्तियों द्वारा भीषण आक्रमण किए गए । ये हिन्दू-मुसलमान दंगे नहीं थे, अपितु आतंकवादी प्रवृत्ति के जिहादियों द्वारा योजनाबद्ध पद्धति से किए गए एक पक्षीय आक्रमण थे । करौली के आक्रमण में सम्मिलित राजस्थान के सत्ताधारी दल के जनप्रतिनिधि और अन्य जिहादियों पर कार्यवाही करना तो दूर उनकी जानकारी प्रसारमाध्यमों द्वारा देने एवं लोगों द्वारा शिकायत करने पर भी उन पर कार्यवाही नहीं की गई । इसके विपरीत सरकार उनका बचाव कर रही है । जो तीव्र प्रतिकार और विरोध करता है, उसकी बात सरकार और न्यायालय सुनते हैं । इसलिए बहुसंख्यक हिन्दू समाज जब तक ऐसे आक्रमणों का उचित प्रतिकार और विरोध नहीं करते, तब तक ये घटनाएं नहीं रुकेंगी, ऐसा प्रतिपादन राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता मोतीसिंह राजपुरोहित ने किया । हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित रामनवमी की शोभायात्राओं पर देशभर में जिहादी आक्रमण ! इस ऑनलाइन विशेष संवाद में वे बोल रहे थे ।

इस अवसर पर लष्कर-ए-हिन्द के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री. ईश?वरप्रसाद खंडेलवाल ने कहा कि, जिस समय मुसलमानों के जिहादी विचारों की पराकाष्ठा होती है, तब ऐसी घटनाएं होती हैं । केवल भारत में हिन्दुओं के संबंध में ऐसी घटनाएं होती हैं, ऐसा नहीं है, अपितु पाकिस्तान, अफगानिस्तान, पैलेस्टाईन आदि इस्लामी देशों में भी निरंतर ऐसी लडाइयां हो रही हैं । इस जिहाद की बलि चढकर पाकिस्तान दे दिया गया है, तब भी ये लोग शांत बैठने के लिए तैयार नहीं है । इस देश के सेक्युलर प्रसारमाध्यम, राजनीतिक दल और संगठन इन जिहादी प्रवृत्तियों को पोसने का काम कर रहे हैं । इसलिए इन आतंकवादी प्रवृत्तियों को लोकतांत्रिक पद्धति से रोकना कठिन है तथा उसके लिए सीधे सैन्य कार्यवाही करने की ही आवश्यकता है ।

इस समय हिन्दु विधिज्ञ परिषद के संगठक अधिवक्ता नीलेश सांगोलकर ने कहा कि, जो कश्मीर में वर्ष 1990 में घटा, वही राजस्थान के करौली, मध्य प्रदेश के खरगोन और देशभर में चल रहा है । हिन्दू समाज को जागृत होने की आवश्यकता है । हमारे तेजस्वी राष्ट्रपुरुषों और महान राजाओं के इतिहास का स्मरण करने की आवश्यकता है । पलायन नहीं, अपितु प्रतिकार करना ही एकमात्र उपाय है । जब तक सरकार की इच्छाशक्ति नहीं होगी, तब तक दंगाखोरों पर कोई कार्यवाही नहीं होती, ऐसा आज तक का अनुभव है । दंगाखोरों पर कार्यवाही के लिए सरकार से शिकायत, पत्रव्यवहार, सूचना के अधिकार, न्यायालयीन संघर्ष आदि माध्यमों से दबाव निर्माण करना चाहिए ।

नमक सेवन सम्हलकर करें

आजकल हमारे स्वास्थ्य के गड़बड़ होने में अनचाही साम्रगी का सेवन करना ,जी हा,जैसे बाजार का नमकीन ,चाट ,रेडीमेड वेफर्स ,पिज्जा ,बर्गर ,आदि खाद्य पदार्थ जो वर्तमान में नियमित रूप से सेवन किया जाता हैं जो हमारे लिए नुक्सानदायक होता हैं पर हम जिव्हा के लालच वश सब खाते हैं ।होटल में नियमित खाना खाना आपकी सेहत के लिए हानिकारक के साथ गंभीर बीमारियों को आमंत्रण देना भी हैं ।निर्णय आपका हैं । नमक की पर्याप्त मात्रा शरीर के लिए आवश्यक होती है इसलिए वयस्कों को दिन में कम से कम ५ -६ ग्राम नमक खाना चाहिए। यह लगभग एक चम्मच के बराबर होता है। शरीर को स्वस्थ रखने के लिए नमक पोषक तत्व का कार्य करता है, लेकिन हाई बीपी से ग्रसित लोगों को डॉक्टर द्वारा नमक से परहेज करने को कहा जाता है। नमक के ज्यादा सेवन को लेकर सबकी धारणाएं अलग अलग हो सकती हैं। दरअसल, नमक एक प्राकृतिक खनिज है, जो सोडियम और क्लोरीन से भरपूर होता है। इसमें सोडियम की मात्रा 40% और क्लोरीन की मात्रा 60% होती है। यह दोनों ही तत्व शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। जब शरीर में नमक की कमी हो जाती है, तो ऐसे मरीज को लो ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। इसके अतिरिक्त दिल की मांसपेशियां और शरीर का पाचन तंत्र भी गड़बड़ा सकता है।

नमक की सही मात्रा का सेवन है जरूरी– नमक की पर्याप्त मात्रा शरीर के लिए आवश्यक होती है इसलिए वयस्कों को दिन में कम से कम 6 ग्राम नमक खाना चाहिए। यह लगभग एक चम्मच के बराबर होता है। वही 1 से 3 साल के बच्चों को 1 दिन में 2 ग्राम नमक दिया जाना चाहिए और 4 से 6 साल के बच्चों को दिन में 3 ग्राम नमक की आवश्यकता होती है। 7 से 10 साल के बच्चों को 1 दिन में 5 ग्राम नमक खाना चाहिए और 11 साल से अधिक उम्र वालों को दिन में 6 ग्राम नमक जरूर खाना चाहिए। जिनमें नमक की कमी होती है, उन्हें अक्सर सिरदर्द, पेट में ऐंठन, मांसपेशियों में कमजोरी, चिड़चिड़ापन, दस्त या कब्ज लगना, दिल की धड़कन का तेज होना और शरीर में सुस्ती और थकान महसूस होती है। नमक की कमी होने पर यदि इसका तत्काल इलाज नहीं किया गया, तो रोगी को मस्तिष्क में सूजन या मस्तिष्क को अन्य नुकसान भी हो सकता है। कई मामलों में नमक की कमी मौत का कारण भी बन सकती है।

नमक की कमी से होने वाले रोग– जिन लोगों को नमक की कमी होती है, उन्हें अक्सर मांसपेशियों में ऐंठन, चक्कर आना, चिड़चिड़ापन हो सकता है। अत्यधिक गंभीर स्थिति में मरीज को कोमा और शॉक लगने का भी जोखिम हो सकता है।

ग्वालियर की महान राजमाता सिंधिया...!

ग्वालियर की राजमाता श्रीमंत विजयाराजे सिंधिया न सिर्फ एक महान सियासतदां थीं बल्कि वो एक महान आत्मा भी रहीं। उनके साथ मुझे कई बार रहने का मौका भी मिलता रहा था। वो जालौन जिले के उरई शहर की रहने वाली थीं। उनके पिता ठाकुर महेन्द्र सिंह यहां सूबा साहब (एस.डी.एम.) रहे थे। राजमहलों में पढ़ी बड़ी हुई राजमाता ने अनेकों बेहद दिलेरी भरे काम अपने जीवन में किये। उनमें काफी याद करने लायक रहे हैं। उन्होंने 1967 में कांग्रेसी मुख्यमंत्री रहे डी.पी. मिश्रा को उनके पद से हटाकर संविद सरकार बनवायी थी। वे छात्र आंदोलन के पक्ष में थीं जिसमें छात्रों की उचित मांगें बताई जाती हैं।

राजमाता साहिब के बेटे महाराजा माधवराव सिंधिया रेलमंत्री के तौर पर देश दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय रहे थे वो रेलगाड़ी से लेकर हवाई जहाज व घोड़ा तक दौड़ाना जानते थे। राजमाता खूब दयालु व दानवीर रही थीं। उन्होंने संघ परिवार व भारतीय जनता पार्टी को 1980 के दौर में खूब मालामाल किया जब उनके पास न केन्द्र में सत्ता थी न सूबों में। राजमाता सिंधिया का नाम कहीं कहीं आज के दौर में भा.ज.पा. नेता काफी कुछ कम करके आंकते देखे जाते हैं जिस पर उनकी पुत्रियों को नाराज होते भी देखा जाता है। मैने खुद 1982 में अटल बिहारी वाजपेयी तक को राजमाता सिंधिया के सार्वजनिक तौर पर सबके सामने पांव छूते भी देखा था। राजमाता ने अटल जी की शिक्षा का भी माकूल इंतजाम किया था व उन्हें सियासत में आगे बढ़ाया था।

अशोक वाजपेयी को हटाया– राजमाता ने मध्य प्रदेश में व राज्य में खूब शिक्षा व संस्कृति का प्रचार प्रसार किया था। उन्होंने उस्ताद अमजद अलि खॉन साहब के गुरु व पिता उस्ताद हाफिज अलि खॉन साहब से खुद भी सालों सितार सीखा था। वो अमजद अलि खॉन साहब की गुरु भाई भी थीं। उनकी सलाह पर मुख्यमंत्री सुन्दरलाल पटवा ने

अशोक वाजपेयी जैसे कलाकार व पारखी प्रमुख को संस्कृति विभाग से हटाकर राजस्व मण्डल ग्वालियर में लाकर पदस्थ कर दिया था। वाजपेयी संस्कृति मेहकमे को गुटबाजी व कलाकारों को परेशान करने के मामले में खूब बदनाम रहे थे। राजमाता अमजद अलि खॉन साहब को खूब मानती रही थीं जो भारत में सरोद के बड़े कलाकार हैं। ग्वालियर के तमाम छोटे बड़े कलाकार राजमाता साहिबा से मिलकर आशीर्वाद व सहयोग लेते रहे हैं। उनका संगीत में गहरी रुचि इस क्षेत्र के लिये बड़ी निधि कही जाती है। उन्होंने तानसेन समारोह में खूब रुचि ली थी। आज इसे उनकी पार्टी की सरकार भा.ज.पा. तानसेन समारोह के आभामण्डल को कम करती जा रही है। 10-15 साल पहले सुन्दरलाल पटवा के दौर में तो तानसेन के पुरस्कार को लता मंगेशकर के पुरस्कार से चौथाई तक कम कर दिया गया था। हमने डॉ. कमल वशिष्ठ के साथ इस पर ज्ञापन भी मुख्यमंत्री को दिया था।

यशोधरा राजे– राजमाता सिंधिया की दो बेटियां राजस्थान की मुख्यमंत्री रहीं व वसुन्धरा राजे व यशोधरा राजे साहिबा भी खूब लोकप्रिय नेता के तौर पर देखी व सुनी जा रही हैं। राजस्थान में राजे की लोकप्रियता के मामले में दिल्ली में खूब चर्चा रहती आई हैं। इसी तरह यशोधरा राजे भी शिवराज सिंह मण्डल की सर्वाधिक लोकप्रिय वजीर के तौर पर देखी जाती हैं। खेलों को आगे बढ़ाने में उनकी गहरी रुचि देखी गई थी जिसका नतीजा म.प्र. को तमाम राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी मिल सके हैं। शिवपुरी व ग्वालियर में भी यशोधरा काफी सक्रिय देखी जाती हैं। उन्होंने पर्यटन पर भी खूब काम किया है। विमल जुल्का जब संभागीय आयुक्त रहे थे 2000 में तब यशोधरा जी केन्द्रीय संस्कृति मंत्री जगमोहन को ग्वालियर लाई थीं व करोड़ों रुपये स्मारकों व पर्यटन के लिये उन्होंने दिलवाये थे। जगमोहन ने अमर गायक व उनके गुरु मोहम्मद गोस का मकबरा व गूजरी महल का बारीकी से विजिट भी किया था। इंटैक चप्टक के जुल्का उस दौर में चेयरमैन व मैं खुद उप संयोजक भी था। इस दौर में यशोधरा जी के कारण ही उस दौर में खूब संस्कृति व स्मारकों का प्रचार होना संभव हुआ था। माधवराव सिंधिया से लेकर महेन्द्रसिंह कालूखेड़ा ने भी कला संस्कृति में खूब दिलचस्पी दिखाई थी। कालूखेड़ा ने तो अप्रैल 1987 में गुना शिवपुरी से लोकसभा सदस्य के तौर पर दो-दो सवाल अमर गायक तानसेन व मोहम्मद गोस के मकबरों की देखरेख पर किये थे। पूरा संस्कृतिक मंत्रालय पुरातत्व सर्वेक्षण का दिल्ली मुख्यालय हिल गया था। माधवराव सिंधिया के केन्द्रीय मंत्री रहने के दौरान सर्वेक्षण ने ग्वालियर में सब सर्किल स्थापित कराया था जहां राठौर व डॉ. यादव जैसे अफसरान पदस्थ हैं। पुरातत्व महत्व के जो काम 3-4 साल पहले बेजाताल, लक्ष्मीबाई स्टेच्यू में पर्यटन विकास नगर निगम ने कराये थे वो काफी खराब थे जिन की 13 करोड़ की लागत थीं उनकी जाचें जरूरी थीं। उनमें खूब भ्रष्टाचार हुये थे उस दौर के निर्माण भी आधे टूट गये हैं।

कैसी हो हार्ट पेशेंट की लाइफस्टाइल-डाइट

मेरी उम्र 48 साल है। मैं ओवरवेटेड हूं। मुझे हार्ट प्रॉब्लम है और एक बार अटैक भी आ चुका है। मुझे कैसी लाइफस्टाइल फॉलो करनी चाहिए?

-अवधेश, रायपुर

आप बता रहे हैं कि आपको हार्ट अटैक भी पड़ चुका है, इसलिए आपको खास सावधानी बरतनी चाहिए। स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। आपको तुरंत अपनी लाइफस्टाइल चेंज करनी चाहिए। सुबह और शाम एक्सरसाइज करें। खान-पान बिल्कुल सादा रखें। सुबह नाश्ते में दलिया खाएं। दोपहर में हल्का सादा खाना खाएं, सलाद और एक फल रोज खाएं। रात में भी हल्का खाना खाएं। सोने से पहले दूध पिएं। तला भुना और स्पाइसी खाना बंद कर दें। इससे आपका वजन भी नहीं बढ़ेगा।

मेरी उम्र 52 साल है। मुझे कुछ वर्षों से पाइल्स की समस्या है, अब प्रॉब्लम बढ़ रही है। क्या इसका ऑपरेशन करवाना होगा, दवाई से इलाज नहीं हो पाएगा?

-विजेंद्र, रोहतक

कुछ मरीजों का इस बीमारी से छुटकारा दिलाने के लिए ऑपरेशन किया जाता है। लेकिन कुछ का ऑपरेशन नहीं होता है। इसकी कंडीशन देखकर डॉक्टर ही डिसाइड कर सकते हैं कि ऑपरेशन किया जा सकता है या नहीं। इसलिए आप एक बार सर्जन से संपर्क करें।

मेरी उम्र 33 साल है। फील्ड वर्क वाली जॉब करता हूं, इसलिए जंक फूड बहुत खाने की आदत है। पेट का हाजमा सही रखने के लिए क्या करूं?

-संतोष, बिलासपुर

आप अपनी बीमारी का कारण खुद ही बता रहे हैं। आप फास्ट फूड ज्यादा खाते हैं, जिससे आपको यह समस्या है। पेट का हाजमा सही करने के लिए आप बाहर का खाना बंद कर दें। बहुत मन करता है तो हफ्ते में एक बार ही बाहर खाना खाएं। इसके अलावा आप घर का खाना पैक करा कर अपने साथ ले जाएं। घर का खाना थोड़ा ऑयली भी हुआ तब भी नुकसान नहीं करेगा।

मेरी उम्र 37 साल है। डॉगी के काटने पर डॉक्टर ने रैबीज की चार डोज लगवाने की डेट दी थी। आखिरी डोज लगवानी भूल गया। क्या भविष्य में कोई गंभीर समस्या हो सकती है?

-राज, रायपुर

आपने यह नहीं बताया कि आपको इंजेक्शन की लास्ट डोज लगवाने की डेट क्या थी? अगर हाल-फिलहाल में डेट थी तो आप अभी भी इंजेक्शन लगवा सकते हैं। लेकिन लंबा समय हो गया है तो आपको एक बार फिर उसी डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए, जिनसे आप इंजेक्शन लगवा रहे थे।

मेरी उम्र 43 साल है। कुछ महीने से मेरे सिर के सारे बाल सफेद हो गए हैं। इसका क्या कारण हो सकता है? क्या यह किसी गंभीर बीमारी की ओर इशारा है?

-नरेश, भोपाल

आपके सिर के बाल कुछ माह में सफेद हुए हैं तो जरूर यह चिंता का विषय है। एक बार आप जनरल फिजिशियन से संपर्क करें। बाल सफेद होने के कई कारण हो सकते हैं। उसमें से एक इस्नोफीलिया भी होता है। लेकिन यह जांच करने के बाद ही पता चलेगा, इसलिए आप डॉक्टर से संपर्क करें, तभी ट्रीटमेंट हो सकेगा।

नवजात बच्चों से लेकर युवाओं और बुजुर्गों को भी हियरिंग लॉस की समस्या हो सकती है। इसकी कई वजहें हो सकती हैं। इससे बचने के लिए जरूरी है कि शुरुआती लक्षण दिखने पर ही ईएनटी डॉक्टर से चेकअप और ट्रीटमेंट कराया जाए। साथ ही उन सावधानियों के बारे में भी आपको पता होना चाहिए, जो हियरिंग लॉस की वजह बन सकती हैं। इनके बारे में विस्तार से जानिए।

किसी को भी हो सकता है हियरिंग लॉस

हियरिंग लॉस यानी, सुनने की क्षमता खोना ऐसी समस्या है, जो नवजात शिशु से लेकर बड़ी उम्र के लोगों में भी हो सकती है। इनमें से कई लोग जन्म से ही सुन नहीं पाते, कुछ बड़ी उम्र के लोगों में सुनने की क्षमता, अलग-अलग वजहों से कम हो जाती है, तो कई आंशिक तौर पर केवल एक कान से ही सुन पाते हैं। शुरुआती अवस्था में ही अगर इस समस्या को पहचान लिया जाए और ट्रीटमेंट कराया जाए, तो हियरिंग लॉस की समस्या से बचा जा सकता है। डब्ल्यूएचओ हर साल 3 मार्च, वर्ल्ड हियरिंग-डे के रूप में मनाता है ताकि लोगों को जागरूक किया जा सके और हियरिंग लॉस की समस्या से बचाव हो सके।

क्या कहते हैं आकड़े

आंकड़ों के मुताबिक दुनिया में करीब 466 मिलियन लोग हियरिंग लॉस की समस्या से जूझ रहे हैं। इनमें वयस्क 432 मिलियन हैं और 34 मिलियन बच्चे हैं। जागरूकता, मेडिकल सुविधाओं के अभाव और आर्थिक स्थिति अच्छी ना होने के कारण समय पर उपचार नहीं करा पाने की वजह से ये विकलांगता का जीवन जीते हैं। अनुमान है कि 2050 तक 700 मिलियन से अधिक लोग हियरिंग लॉस की समस्या से जूझ रहे होंगे।

हियरिंग लॉस के प्रकार

कंडक्टिव हियरिंग लॉसः ऐसा हियरिंग लॉस कान में पानी जाने या सर्दी-जुकाम से कान में इंफेक्शन होने और कान के पर्दे में छेद होने के कारण होता है। नाक ब्लॉक करने से पानी बाहर ना निकलकर नाक और कान को जोड़ने वाली यूस्टेकियन ट्यूब में चला जाता है। ट्यूब को ब्लॉक कर पस या इंफेक्शन का रूप ले लेता है। इंफेक्शन मिडल ईयर यानी पर्दे तक पहुंच जाता है और उसमें छेद कर देता है। यह छेद साउंड को इनर ईयर तक पहुचंने में बाधा डालता है, जिससे हियरिंग लॉस हो सकता है।

सेंसरीन्यूरल हियरिंग लॉस : कान की संरचना में किसी भी तरह का विकार होने पर हियरिंग लॉस हो सकता है। यह विकार आउटर-इनर ईयर कोकलिया की संरचना में या ध्वनि तरंगों को ब्रेन तक ले जाने वाली ऑडिटरी नर्व में भी हो सकता है।

ऐसे करें पहचान

हियरिंग लॉस होने का संकेत, कान में होने वाली कुछ समस्याएं देती हैं, जैसे-कान से वैक्स का बहना, सर्दी-जुकाम रहना और कान में दर्द होना, कान लाल होना, कान में अत्यधिक मात्रा में वैक्स बनना, वैक्स साफ ना होने के कारण इंफेक्शन होना या पस पड़ना, पस का बाहर निकलना, बुखार होना, कानों में सीटी जैसी आवाजें सुनाई देना।

वयस्कों के मुकाबले, छोटे बच्चे में हियरिंग लॉस का पता लगाना मां-बाप के लिए टफ होता है। फिर भी ध्यान दें तो कुछ लक्षणों के आधार इसका पता लगा सकते हैं, जैसे- आवाज वाले खिलौनों को अलग-अलग दिशा में बजाने पर बच्चे का उधर सिर घुमाकर ना देखना, ताली बजाने या तेज आवाज करने पर बच्चे का ना चौंकना, बोलना शुरू करने में देरी होना या स्पष्ट नहीं बोल पाना, निर्देशों का पालन नहीं करना या केवल इशारों से बात करना।

हियरिंग लॉस के कारण

हियरिंग लॉस का कारण जन्मजात या कुछ बीमारियां हो सकती हैं। इनमें से प्रमुख हैं-

- प्रेग्नेंसी के दौरान महिला को रूबैला, मंप्स जैसी बीमारियां होना।
- जन्म से बच्चे के आउटर ईयर की बनावट ठीक ना होना, इनर ईयर ठीक तरह विकसित ना होना।
- प्रीमैच्योर बेबी के जन्म के समय एनआईसीयू में रहने से इंफेक्शन होना।
- रिश्तेदारी में शादी होने के कारण दोनों पैरेंट्स के रीसेसिव माइनर जींस का गर्भ में पल रहे भ्रूण में डोमिनेंट होना।
- बच्चे को मेनिंजाइटिस बुखार से इंफेक्शन होने पर।
- लंबे समय तक सर्दी-जुकाम रहने से इंफेक्शन होने पर।
- कान में दर्द होने पर गर्म तेल डालने से फंगल इंफेक्शन होने की वजह से।
- सफाई की गलत आदतों के कारण मिडल ईयर में चोट लगने और सूजन होने की वजह से, जैसे- ईयर बड्स, हेयर पिन, पेन-पेंसिल्स, स्ट्रा जैसी चीजों से कान में जमा वैक्स साफ करने से कई बार वैक्स बाहर निकलने के बजाय अंदर जमा होती जाती है, जिससे कान में आंशिक ब्लॉकेज हो जाता है।
- अत्यधिक मेडिसिन लेने, वायरल इंफेक्शन होने, पैरालाइसिस, ब्रेन ट्यूमर जैसी स्थिति में साउंड को इनर ईयर से ब्रेन तक ले जाने वाली ऑडिटरी नर्व डैमेज होने की वजह से।
- असावधानी बरतने या इंफेक्शन की वजह से कान के पर्दे में छेद होने की वजह से।
- बुजुर्गों में शॉर्ट इंक्रीमेंट सेंसेटिव इंडेक्स होना यानी कान में ब्लड सप्लाई कम होने पर कम सुनाई देना।
- टीबी, निमोनिया जैसी बीमारी के उपचार में एंटीबॉयोटिक ऑटोटॉक्सिक दवाइयां लेने की वजह से।
- साउंड का ज्यादा एक्सपोजर होना। जैसे-कान के पास बम फटने से साउंड इंजरी होना, बहुत तेज म्यूजिक सुनना, हेड फोन जैसी हियरिंग डिवाइस के ज्यादा इस्तेमाल करने की वजह से।
- रिपिटिटिव साउंड इंजरी होना। इसमें लंबे समय तक फैक्टरीज, कंस्ट्रक्शन साइट पर काम करने और लगातार चलने वाली मशीनों की आवाज के संपर्क में ज्यादा रहने की वजह से।

हियरिंग लॉस से बचाव के उपाय

- जहां तक हो सके निकट रिश्तेदारी में शादी करने से बचना चाहिए।
- गर्भावस्था में मां नियमित रूप से प्री-नेटल चेकअप कराएं और मीजल्स, मंप्स और रूबैला वैक्सीन लगवाएं, ताकि भ्रूण को किसी तरह का इंफेक्शन ना हो।
- जहां तक संभव हो, डिलीवरी घर पर या दाइयों से कराने के बजाय अस्पताल में करवाना चाहिए।
- हर व्यक्ति को खासकर हियरिंग लॉस के हाई रिस्क वालों को समय-समय पर अपनी हियरिंग एबिलिटी की जांच जरूर करवानी चाहिए। जब भी सर्दी-जुकाम हो और कान में जरा-सा भी दर्द हो रहा है, तो ईएनटी सर्जन को फौरन दिखाना चाहिए।
- इंफेक्शन, कान से पस बाहर आने की स्थिति में केवल पस सूखने तक, बल्कि ईयर ड्रम पूरा ठीक होने तक इलाज कराना चाहिए।
- वैक्स नरम करने के लिए हफ्ते में एक बार एंटी फंगल या एंटी बैक्टीरियल ड्रॉप्स या दवाई डालना फायदेमंद है। *

उपचार

कान में किसी भी तरह की समस्या को इग्नोर ना कर ईएनटी डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। वे ऑटोस्कोप इंस्ट्रूमेंट से कान के अंदरूनी भाग की जांच कर इंफेक्शन का पता लगाते हैं और ऑटोमाइकोटिक प्लग लगा कर इंफेक्शन को साफ करते हैं। कान में डालने के लिए एंटी फंगल या एंटी बैक्टीरियल ईयर-ड्रॉप्स और एंटीबॉयोटिक दवाइयां दी जाती हैं।

माइक्रोस्कोपिक सर्जरीः ईयर ड्रम या पर्दे में हुए छेद और साउंड कैरी करने वाली हड्डियों को ऑसिकुलोप्लास्टी माइक्रोस्कोपिक सर्जरी माइरिंगोप्लास्टी या टिंपैनोप्लास्टी से रिपेयर किया जाता है। शरीर के विभिन्न अंगों, मसल्स के टिशूज से नया पर्दा बनाकर लगाया जाता है या फिर सिलिकॉन, टाइटेनियन, टैफलॉन की रिप्लेसमेंट टिशूज की बोंस तराश कर आर्टिफिशियल रिप्लेसमेंट लगाते हैं।

कोकलियर इंप्लांटः जन्मजात विकार वाले बच्चों की ऑबजेक्टिव स्क्रीनिंग टेस्ट- ऑटोअकॉस्टिक एमीशन (ओएई), ब्रेन स्टेम रिस्पांस या बैरा (बीईआरए) से जांच की जाती है। इसमें कोकलियर की जगह इलेक्ट्रोमैगनेटिक इंप्लांटेबल कोकलियर डिवाइस इंप्लांट की जाती है। सर्जरी के बाद बच्चों को स्पीच रिहेबिलेटेशन ट्रेनिंग भी दी जाती है।

हियरिंग एड : कुछ कंडीशंस में हियरिंग एड भी बच्चों और बुजुर्गों के कान में लगाए जाते है। डॉक्टर मरीज की स्थिति के हिसाब से डिजिटल या प्रोग्रामर हियरिंग एड लगाने की सलाह देते हैं। यह पेशेंट की कंडीशन पर डिपेंड करता है। *

अपनाएं ओकीनावा डाइट जिएं स्वस्थ-दीर्घायु जीवन

स्वस्थ-दीर्घायु की चाहत सभी को होती है। लेकिन इसके लिए नियमित पौष्टिक-संतुलित आहार लेने के साथ ही जीवनशैली को अनुशासित रखना भी जरूरी है। इसकी प्रेरणा जापान के ओकीनावा द्वीप के निवासियों से ले सकते हैं। ओकीनावा डाइट के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक जापान के लोगों की औसत आयु दुनिया में किसी भी दूसरे देश के लोगों से कहीं ज्यादा है। यहां पुरुषों की औसत आयु 85 वर्ष और महिलाओं की 87.3 वर्ष है। साथ ही यहां उम्र का शतक लगा चुके लोगों का अनुपात भी सबसे ज्यादा है। जापान में भी विशेष रूप से ओकीनावा द्वीप के लोगों की उम्र लंबी होती है, जबकि द्वितीय विश्व युद्ध में यह द्वीप भूख, संसाधनों की कमी और अन्य संकटों से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ था। इसके पीछे का राज ओकीनावा द्वीप के लोगों की डाइट है, जिसके बारे में हम आपको यहां बता रहे हैं।

संतुलित-पौष्टिक आहार : आहार विशेषज्ञों और शोधकर्ताओं ने पाया है कि ओकीनावा द्वीप के लोगों की लंबी उम्र का मुख्य कारण इनका संतुलित और पौष्टिक आहार का सेवन करना है। एक्सपर्ट्स ने यहां के लोगों की डाइट की सबसे बड़ी विशेषता यह बताई है कि इनमें काफी वैरायटी होती है। इनके अध्ययन में यह भी पाया गया कि यहां के निवासी अपनी डाइट में मसालों सहित 206 तरह के फूड्स का सेवन करते हैं। इनकी डेली डाइट में नॉर्मली 18 टाइप के फूड्स होते हैं, जो न्यूट्रिएंट्स से भरपूर होते हैं। ओकीनावा द्वीप के निवासी भोजन में कभी-कभी नूडल्स भी लेते हैं लेकिन उसे स्पाइसी नहीं बनाते हैं।

कम नमक का सेवन : ओकीनावा जापान का एकमात्र द्वीप है, जहां जापानी सरकार द्वारा दी गई सलाह (रोजाना 10 ग्राम से कम नमक का सेवन) का अनुपालन गंभीरता से किया जाता है। जहां जापान के अन्य स्थानों पर रहने वाले लोगों का औसत रोजाना 12 ग्राम नमक सेवन का है, वहीं ओकीनावा द्वीप के लोग प्रतिदिन सिर्फ 7 ग्राम नमक का सेवन करते हैं। शायद यह भी एक वजह है कि कार्डियोवैस्कुलर डिजीज से होने वाली मृत्यु दर यहां न्यूनतम है।

चीनी का कम सेवन : ओकीनावा द्वीप के निवासी नमक की ही तरह चीनी का सेवन भी बहुत कम करते हैं। मिठाई ही नहीं चॉकलेट भी ये लोग बहुत कम खाते हैं। चीनी के अधिक सेवन से शरीर को बहुत नुकसान होता है, जैसे- बुढ़ापा जल्दी आना, दिल और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारी का खतरा बढ़ना। ओकीनावा निवासी गन्ने के रस का सेवन करते हैं, जो सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

खूब खाते हैं फल-सब्जियां : यहां के लोगों के भोजन में सब्जियों और फलों की मात्रा ज्यादा होती है। ओकीनावा द्वीप के लोग रोज कम से कम पांच सविंग फलों और सब्जियों का सेवन करते हैं। अलग-अलग रंगों के फल भी ये लोग रोजाना खाते हैं।

चावल-मछली है प्रिय भोजन : सामान्य तौर पर जापानी लोग रोज अपने भोजन में चावल ज्यादा लेते हैं। ओकीनावा द्वीप के लोगों का तो प्रमुख भोजन ही चावल है। चावल के सेवन के कई फायदे होते हैं जैसे-चावल शरीर को जवान और दिल को स्वस्थ रखता है। चावल की तरह ही मछली भी ओकीनावा निवासियों का प्रिय भोजन है। मछली खाने से इम्यूनिटी बूस्ट होती है। मछली का सेवन दिल की बीमारियों को रोकने में भी मददगार होता है। *

अनुशासित जीवनशैली

ओकीनावा द्वीप के लोगों का खान-पान तो अच्छा है ही, उनकी अनुशासित जीवनशैली भी उनके लंबे-स्वस्थ जीवन के लिए काफी जिम्मेदार है। वे लोग अपनी शारीरिक सक्रियता को लेकर काफी सजग रहते हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि यह जापान का एकमात्र द्वीप है, जहां ट्रेन नहीं चलती। यहां के निवासी आस पास जाने के लिए ज्यादातर पैदल या साइकिल पर चलना पसंद करते हैं। *

आमतौर पर माना जाता रहा है कि कसरत यानी एक्सरसाइज करना एक्सट्रा फिट और अट्रैक्टिव दिखने के लिए जरूरी है ना कि बीमारियों से बचाव और जीवन के खतरे को कम करने के लिए। इसलिए यह वैकल्पिक है यानी हमारी मर्जी हो तो हम कसरत करें वरना ना करें। लेकिन ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक कसरत करना हमारे स्वस्थ और जिंदा रहने के लिए जरूरी उपक्रम है। यह रिपोर्ट कहती है- दुनिया में हर दसवीं आसमयिक मौत इसलिए होती है क्योंकि मरने वाला कसरत नहीं करता था। काम में दिन-रात लगे रहना कसरत करने का विकल्प नहीं हो सकता। कसरत ना करने से 35 किस्म की बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है।

हार्ट डिजीज से बचाए

रिपोर्ट के मुताबिक व्यायाम से दूरी, दिल की बीमारियों के खतरे को कसरत करने वालों के मुकाबले 200 प्रतिशत बढ़ा देती है। यही नहीं ब्रिटेन जैसे छोटी-सी आबादी वाले देश में कसरत ना करने की कीमत हर साल करीब 97 अरब रुपए के मेडिकल खर्च के रूप में चुकानी पड़ती है, इसलिए भारत जैसे देश में यह कीमत क्या होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। यह रिपोर्ट बताती है कि पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की जीवनचर्या उन्हें व्यायाम से दूर रहने की 36 प्रतिशत ज्यादा स्थितियां बनाती है। यही वजह है कि ब्रिटेन में 83 लाख पुरुषों के मुकबले 1.18 करोड़ महिलाएं व्यायाम से दूर रहती हैं। जबकि ब्रिटेन में सरकारी दिशानिर्देश के अनुसार हर सप्ताह 150 मिनट तक सामान्य व्यायाम और हफ्ते में दो दिन तक हार्ड फिजिकल एक्टिविटी की सलाह दी गई है। सोचिए, भारत में यह स्थिति कितनी चिंताजनक होगी, जबकि यहां ऐसा कोई निर्देश या सलाह नहीं दी गई है और ना ही लोगों में ऐसी सजगता है।

महिलाओं को है ज्यादा रिस्क

हालांकि एक्सरसाइज ना करने का साइफइफेक्ट पुरुष और महिला दोनों को होता है। लेकिन महिलाओं में इसका रिस्क ज्यादा होता है। संस्था अपने वृहद विश्लेषण में कहती है कि दुनिया भर में हर साल होने वाली 50 लाख मौतों को निष्क्रियता से जोड़ा जा सकता है, जो कि इसे मौत के सबसे बड़े दस कारणों में से एक बना देता है। संस्था के एसोसिएट मेडिकल डायरेक्टर डॉ. माइक नैप्टन का कहना है कि इस बात के भरपूर साक्ष्य मिले हैं कि व्यायाम से दिल की बीमारियों पर 35 प्रतिशत और समय से पहले होने वाली मौतों पर 30 प्रतिशत काबू पाया जा सकता है। मतलब साफ है कि कसरत का कोई विकल्प नहीं है। इस संबंध में अमेरिका में हुई एक रिसर्च में भी कहा गया है कि मेनोपॉज को पार कर चुकी महिलाएं अगर हर रोज 10 मिनट एक्सरसाइज करें तो दिल की बीमारियों को दूर रख सकती हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक जो महिलाएं मासिक धर्म के खत्म होने के बाद नियमित रूप से कसरत या दूसरे शारीरिक मेहनत वाले काम करती हैं, उनमें हृदय संबंधी समस्याओं के होने की संभावना कम होती है। अमेरिकी रिसर्चरों ने पाया है कि रजोनिवृत्ति के बाद अगर महिलाएं हर दिन अगर दस मिनट भी तेज चलें तो उनके हृदय को काफी फायदा पहुंचता है। *

कई बीमारियों से बचाए रेग्युलर एक्सरसाइज

रेग्युलर एक्सरसाइज करने से ना केवल आप हेल्दी-फिट रहते हैं, कई खतरनाक बीमारियों से भी काफी हद तक बचे रह सकते हैं। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन की एक रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। इसके बारे में आपको पता होना चाहिए।

घरेलू औषधि

कई रोगों में लाभकारी मूलेठी

भाषा भेद के कारण मूलेठी को भी कई नामों से जाना जाता है। जैसे- मधुक, यष्टीमधु, मीठी लकड़ी, जेठीमधु, एलेसस और स्वीटवुड आदि। मूलेठी का स्वाद मीठा होता है। इसमें कैल्शियम, एंटी-आक्सीडेंट्स, प्रोटीन, वसा और एंटीबायोटिक गुण पाए जाते हैं। इसका उपयोग आंखों के रोग, मुखरोग, कंठ रोग, पेट की परेशानी, घाव और हृदय रोगों में किया जाता है। इसके तने और छाल को सुखाकर औषधि के रूप में किया जाता है। मूलेठी के सेवन के कई लाभ हैं। गायकों के लिए यह बहुत लाभकारी है। गला बैठने, स्वर भंग होने या गले की खराश में मूलेठी का उपयोग किया जाता है।

ऐसे करें सेवन : आंखों में जलन, देखने में धुंधलेपन के लिए इसके काढ़े से आंखों को धोना और इसके चूर्ण में सौंफ का चूर्ण बराबर मात्रा में मिलाकर सबेरे-शाम खाना हितकर है।

- गला बैठने, आवाज भारी होने या लगातार हिचकी आने पर मुलेठी का टुकड़ा मुंह में रख कर चूसना लाभकारी है।

- मूलेठी के चूर्ण को शहद में मिलाकर चाटने से सूखी खांसी से राहत मिलती है।
- पाचन संबंधी समस्याओं जैसे- सीने में जलन, पेट में घाव (अल्सर), पेट की सूजन आदि में एक कप गुनगुने पानी में एक चम्मच मूलेठी का चूर्ण डालकर ढंक कर रख दें। दस-पंद्रह मिनट बाद छान कर पिलाना लाभकारी है।
- महिलाओं के अनियमित मासिक संबंधी परेशानियों में एक चम्मच मूलेठी का चूर्ण और बराबर मात्रा में मिश्री मिला कर सबेरे-शाम पानी से लेने पर राहत मिलती है।
- स्तनपान कराने वाली महिलाओं में दूध कम आता है तो आधा चम्मच मूलेठी का चूर्ण, आधा चम्मच शतावरी चूर्ण और आधा चम्मच मिश्री मिला लें। मिश्रण को एक ग्लास दूध में उबाल कर ठंडा कर पीना दूध बढ़ाने में सहायक है।

रखें ध्यान : मूलेठी का अधिक मात्रा में सेवन करना ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है, पेट में गड़बड़ हो सकती है। मधुमेह और गुर्दे के रोगियों के लिए इसका सेवन वर्जित है। उक्त सभी उपाय, उपचार सामान्य हैं। प्रयोग करने से पहले अपने वैद्यजी या आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य करें। *

नयी प्रसूता के फर्ज

भारती का प्रसव के तुरत बाद काम पर लौटना स्वागतेय होना चाहिए। हैरत है, भारती को नवजात के पालन का ज्ञान देने वाले तब कहां थे, जब वह गर्भावस्था के साथ लगातार काम कर रही थी। वह शायद अकेली ऐसी हस्ती है, जिसने अपने गर्भ और उभार बिना छिपाये लगातार काम जारी रखा। वह परदे के पीछे या प्रोडक्शन के ही काम नहीं कर रही थी बल्कि उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ शो की होस्टिंग भी जारी रखी।

मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह मां बन गयी। प्रसव के 12 दिन बाद ही भारती अपने काम पर लौट आयीं और शूटिंग शुरू कर दी। निराशावादी, स्त्री विरोधी और दूसरों के फटे में टांग घुसाने वालों ने उस पर तंज किया। पैसों का लालची बताया और इतनी जल्दी काम पर लौटने पर व्यंग्य किये। ये वे लोग हैं, जो चाहते हैं, प्रसूता चालीस दिन बिस्तर पर रहे। उसे मैटरनिटी लीव का पूरा लाभ लेना चाहिए। नवजात को सीने से लगाये रहना चाहिए। यह सब बहुत जरूरी है, जच्चा-बच्चा दोनों के लिए। इसमें कोई संदेह नहीं है। भारती कोई साधारण नौकरी करने वाली कर्मचारी नहीं है। ना ही उसे किसी दबाव या जबरदस्ती के कारण यह निर्णय लेना पड़ा। भारती सिंह स्वावलंबी स्त्री है। जिसने अपने रूप-रंग का रोना रोने बजाए, वाकई टैलेंट के बल पर पहचान कायम की। सिर्फ स्टैंडअप कॉमेडियन तक ही सीमित रहने की बजाए भारती ने प्रोडक्शन का काम भी चालू किया। सिंह का संघर्ष आसान नहीं रहा, पुरुषों के वर्चस्व वाले क्षेत्र में अपनी धाक ही नहीं जमाई, बल्कि अपने दम पर नयी लाइन खींची। स्त्री कॉमेडियन्स को सारी दुनिया में अपनी पहचान कायम करने में खासा संघर्ष करना पड़ा है।

खरी खरी

सात सालों के अफेयर के बाद सिक्रट राइटर रहे हर्ष लिंबाचिया से शादी करने वाली भारती को आसानी से गर्भ भी नहीं ठहरा। गर्भधारण के लिए या सेहतमन्द बच्चे की चाहत में उसने अपना वजन भी काफी कम किया। 37 की भारती की कुल संपत्ति 22 करोड़ के करीब बतायी जा रही है। अपने दम पर पहचान कायम करने वाली स्त्री को लेकर इस तरह की बातें वाहियात हैं। जाहिर है, अपने प्रोडक्शन हाउस को ही नहीं संभालना है, बल्कि वह खुद भी कॉमेडी करती है उसमें। जिसकी भूमिका, या कहें प्रस्तोता भी वह खुद है। गर्भावस्था से पूर्व वह पार्टिशिपेन्ट भी होती थी। यह शो पहले सिर्फ चैनल पर था, अब ओटीटी से भी कमाई कर रही है। शो बिजनेस में परदे से हटते ही लाइफ का फेड्आउट चालू हो जाता है। प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं अपने यहां। हर क्षेत्र में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा है। ऐसे में भारती का प्रसव के तुरत बाद काम पर लौटना स्वागतेय होना चाहिए। हैरत है, भारती को नवजात के पालन का ज्ञान देने वाले तब कहां थे, जब वह गर्भावस्था के साथ लगातार काम कर रही थी। वह शायद अकेली ऐसी हस्ती है, जिसने अपने गर्भ और उभार बिना छिपाये लगातार काम जारी रखा। वह परदे के पीछे या प्रोडक्शन के ही काम नहीं कर रही थी बल्कि उसने पूरे आत्मविश्वास के साथ शो की होस्टिंग भी जारी रखी। पूरी सावधानी के साथ वह हंसी-ठिठोली करती रही, बीच-बीच में पेट पकड़ कर शो के दरम्यान बैठ भी जाती थी। यूं तो कुछ सिनेमा स्टार गर्भावस्था के दौरान अपनी फिल्में पूरी करती रही हैं, पर उन्होंने गर्भ या उसकी खबर को छिपा कर ही काम निपटाया।

कलाकार आमतौर पर अपने प्रशंसकों से ये खुशखबरी छिपाने की कोशिशें करती हैं। हॉलीवुड की देखादेखी नया ट्रेंड आ गया है, बाकायदा गर्भ का फोटोशूट कराया जाता है और प्रचार कंपनियों द्वारा उन्हें मीडिया तक पहुंचाया जाता है। कई बार पपराजी भी स्टारों के पीछे भाग कर उनके उभरे पेट की तस्वीरों के साथ अंदेशा जताते फिरते हैं। यह चाहने वालों का प्रेम भी है और अपने स्टार की खुशी में शामिल होने का उत्साह भी। घरों में नयी बहू की खुशखबरी को लेकर अतिउत्साही रहने वाले अपने प्रिय सितारों के घर आने वाली किलकारी को लेकर जुड़ाव महसूसने की आदत से बाज नहीं आते। वरना तो वह समय भी रहा है, जब सितारे अपनी वैवाहिक स्थिति को ही झुठलाते फिरते थे। बच्चे की पैदाइश तो दूर की बात थी। बदलते वक्त ने उनकी सोच भी पलट दी है।

रही बात, भारती के 12 दिन के नवजात को छोड़कर काम करने की तो यह नयी मां का निर्णय है। इसकी आलोचना की जा सकती है पर खारिज नहीं कर सकते। यह सच है कि प्रसवोपरांत आराम की बेहद जरूरत होती है। देह को अतिरिक्त पोषण और नवजात को दैहिक नजदीकियां प्राकृतिक व मानसिक रूप से जरूरी होती हैं। नन्हे बच्चे को मां का दूध व 24 घंटों की देखभाल चाहिए। परंतु कोई प्रोफेशनल और समझदार स्त्री इतनी बेवस/ सख्त नहीं होती कि वह इस सबसे अनजान हो। उसने नवजात को छोड़कर काम पर लौटना तय किया तो उसका समाधान निकाला होगा। जानकारों का मालूम है कि नयी मां को प्राकृतिक रूप से नवजात की जरूरतों को अहसास होता है। कई बार दूध रिसने लगता है तो कभी-कभी स्तन इतने कठोर हो जाते हैं कि डॉक्टर के पास जाने की जरूरत आ पड़ती है। पंपिंग द्वारा मांएं नवजात के लिए सटीक व्यवस्था से नहीं चूकती। इन आलोचनाओं के बाद भारती ने सफाई दी कि बच्चे की दादी-नानी दोनों हैं उचित देखभाल के लिए। स्त्री को ज्ञान परोसने वाले अपनी भदेस बातों से भावनात्मक शोषण से नहीं चूकते। इन्हें अंदाजा नहीं है कि दुनिया भर में ढेरों मजदूरिनें, स्वरोजगारिनें और घरेलू काम करने वालियां प्रसव के दो-चार दिन में ही काम में जुट जाती हैं। उनके पास चुनाव के अवसर नहीं हैं। उन्हें दो वक्त की रोटी के लिए श्रम करना ही है। उन्हें अवकाश या नौनिहाल के पालन के लिए कोई सुविधा नहीं दी जाती। कौन नहीं चाहता अपने जिगर के टुकड़े को सीने से लगाये सुस्तायें। स्त्रित्व के विभिन्न नैतिक दबावों और भावनात्मक शोषण में औरत को उलझाए रखना रूढ़िवादी दस्तूर है। खांटी मर्दवादी सोच अपनी संकीर्णता और दोहरे चरित्र से स्त्री को कभी मुक्ति नहीं दे सकती। इस दलदल से बाहर निकलने की चाहत कीचड़ में पत्थर उछालने जैसी है। मगर छींटों के भय से दुबके नहीं रहा जा सकता। भारती का कदम, उसका निर्णय बेमिसाल है। ऐश्वर्या राय अपनी बेटी को हर वक्त सीने से चिपटाये नजर आती हैं, तो भी लोग उन पर तंज करते हैं और राय को नसीहतें देते फिरते हैं। बेहतर परवरिश फार्मूलों में नहीं समेटी जा सकती। मां जानती है, अपने फर्ज, उसे कैसे-क्या-कब करना है। खासकर जब वह खुदमुख्तार और आजाद हो। ■

टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

20 अप्रैल-26 अप्रैल)

मेष (21मार्च -20अप्रैल)- संतुलन बनाना आवश्यक रहेगा। किसी भी प्रकार से कोई ऐसा निर्णय न लें जिससे नौकरी पर प्रभाव पड़े। नौकरी छोड़ना या आय के स्त्रोत को छोड़ना, परेशानी का कारण बन सकता है। कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। खर्च पर भी ध्यान रखना होगा। किसी भी प्रकार के रोग को आगे बढ़ने न दें। घर में छोटी छोटी परेशानियों को सावधानी से निपटने का प्रयास करें।

वृषभ (21अप्रैल-21मई)- वाद विवाद में पड़ने की कोशिश ना करें, यह सही समय नहीं है। नई योजनाएं बनाई हैं, वे साथ नहीं आ रही हैं, फिर भी हार मत मानो हर चीज में समय लगता है। यदि कोई अनबन हो गई है तो दोस्तों या परिवार के बीच पुलों को सुधारने का समय अच्छा है। आगे कठिन संघर्ष है लेकिन सफलता निश्चित है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें।

मिथुन (22मई-21जून)- किसी प्रभावी व्यक्ति से मिला सहयोग उत्साह को दोगुना कर देगा। बेहतर काम की लोग तारीफ करेंगे। धन के लेन देन में सावधानी बरतें। सतर्क रहने की जरु रत है। छोटी सी लापरवाही परेशानी का कारण बन सकती है। जीवनसाथी के साथ सुखद समय व्यतीत करेंगे। दूसरों का ध्यान आसानी से खींचने में कामयाब होंगे। विवाह की बात चल सकती है।

कर्क (22जून-22जुलाई)- अवसरवादी के लिए समय अच्छा रहेगा उन्हें अपने व्यवसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कई मौके मिलेंगे। सभी संभावनाओं को फलदाई नतीजों में बदलने के लिए आशीर्वाद ओर उत्साह से भरे होंगे। आय बढ़ाने के लिए की गई कोई भी पहल बड़ी सफलता होगी। जीवनसाथी के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। परिवार के विस्तार की योजना बना सकते हैं।

सिंह(23जुलाई-21अगस्त)- नकारात्मक विचारों से दूर रहकर परिस्थिति जो भी है, उस सीख को लेकर आगे बढ़ें। करियर में सकारात्मक बदलाव कुछ कठिनाइयों से गुजरने के बाद ही दिखेगा। इसीलिए काम से सम्बंधित जो कठिनाइयां आ रही हैं, उनका डटकर सामना करें। गुस्से पर काबू रखने की अत्यंत आवश्यकता होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)- लक्ष्य से ध्यान ना हटाएं। न केवल यह हफ्ता, बल्कि यह पूरा साल कई अच्छे मौके देगा। मजबूत नेटवर्क बनाना मददगार साबित होगा। अध्यात्म की ओर रूचि बढ़ेगी। मान-सम्मान प्राप्त होगा। प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सेहत की कुछ समस्या हो सकती है लापरवाही ना बरतें। अच्छे नतीजे पाने के लिए मेहनत करें जरूर लाभ होगा। आर्थिक निवेश करने से पूर्व जानकारी प्राप्त कर लें।

तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)- यह समय आपके लिए विशेष फलदाई रहेगा। मेहनती स्वभाव के कारण विशेष स्थान बना पाएंगे। करियर सम्बंधित बातों में तुरंत प्रगति देख पाना मुश्किल हो सकता है, लेकिन प्रयत्न करके परिस्थिति पक्ष में भी होगी। व्यवसाय करने वालों को अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। पहले किए गए निवेश का फायदा मिल सकता है, जिसके द्वारा आर्थिक चिंताएं दूर होंगी। बेहतर स्वास्थ्य के लिए योग एवं ध्यान अपनाएं।

वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवम्बर)- खुद कि देखभाल करें, थका हुआ महसूस कर रहे हैं तो अपने लिए समय निकालें। निराश और तनावग्रस्त होने के बजाय जीवन को बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने कि कोशिश करें। खर्चों को सीमित करके पैसे को संभाल कर रखें। वैवाहिक जीवन में असंतोष का माहौल रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर सचेत रहे। आगे बढ़ने के लिए सबको साथ लेकर चलना जरूरी है।

धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)- विचारों में असंतुलन पैदा हो सकता है और यह भ्रम पैदा करेगा। लक्ष्यों पर फिर से गौर करें, इससे सोचने-समझने की नई ताजगी मिलेगी। थका हुआ महसूस करें तो बाहर निकलें। दोस्तों से मिलें, राहत मिलेगी। बड़े निर्णय लेने से बचें। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ना बरतें। प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ पर ध्यान दें। रिश्तों को समय दें।

मकर (23दिसम्बर-20जनवरी)- कोई शानदार खबर मिल सकती है, जिसका इंतजार कर रहे थे। यह हफ्ता नई दिशा दे सकता है। अब तक रु की हुई लग रही जिन्दगी तेजी से चल पड़ेगी। पूरे साल के विजन बोर्ड बनाना बहुत अच्छा रहेगा। यह लक्ष्य को पूरा करने में बेहद कारगर साबित होगा। बीमार के सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। आर्थिक निवेश के लिए समय अच्छा है।

कुम्भ (21जनवरी-19फरवरी)- अवसरवादी के लिए समय अच्छा होगा, उन्हें व्यावसायिक जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए कई मौके मिलेंगे। सभी संभावनाओं को फलदाई नतीजों में बदलने के लिए आशीर्वाद ओर उत्साह से भरे होंगे। आय बढ़ाने के लिए की गई पहल सफल होगी। जीवनसाथी के साथ यात्रा की योजना बन सकती है। परिवार के विस्तार की योजना बना सकते हैं।

मीन (29 फरवरी -20मार्च)- कुछ भी कहने से पहले सोचें, फिर कहें। कई मुद्दों से जूझ रहे हैं, लेकिन धैर्य रखेंगे तो चीजें धीरे धीरे पक्ष में होती जाएंगी। पुराने मित्रों से मिलने और साथ जुड़ने की सम्भावना है। जल्दबाजी में निर्णय ना लें, रुकें और देखें कि क्या सही है और क्या गलत। विवादों से दूर रहें। परिवार के साथ समय बिताएं। आर्थिक निवेश के प्रति सतर्क रहें। ■

हत्या का वीडियो

यही है जिंदगी

कुछ माह पहले एक खबर ने ध्यान खींचा था, हालांकि इस पर ज्यादा चर्चा नहीं हुई। इसमें बताया गया कि तीन लड़कों ने वीडियो बनाने के लिए एक आदमी को मार डाला। उसे मारने का उद्देश्य वीडियो में यह दिखाना था कि वे किसी को मार सकते हैं। अब तक तो खबरें इस बात पर होती थी, वीडियो भी बनते थे कि कैसे किसी ने जरूरतमंद की मदद की। किसी को बचाया। किसी दुर्घटना के वक्त अपरिचित भी दौड़े आए लेकिन इस खबर के मुताबिक किसी को कैसे मार सकते हैं। इस बात को छिपाने, शर्मिंदा होने के मुकाबले, यह दिखाना कि किसी को मारने में भी कितना आनंद है। यानी मरने वाले से सहानुभूति तो है ही नहीं, मारने में आनंद का अनुभव है। किसी को मारना आनंद देने लगे, इससे गर्हित बात भला दूसरी क्या हो सकती है। जब भी इस बारे में सोचती हू तो लगता है कि अपने समाज में ताकतवर और मारने वाले की पूजा हमेशा से रही है। जिसके हाथ में हथियार होते हैं जो बात-बात पर गोली चलाने और जान से मारने की धमकी देते हैं, हम सब उनसे बचकर चलते हैं। क्योंकि जब जान पर बन आए तो न कोई भगवान बचाने आता है और न ही कोई अधिकारी या सरकार। एंग्री यंग मैन के दौर की फिल्मों को याद कीजिए। बहुत सी न्यूवेव फिल्म्स को भी देखिए। इन सबमें हिंसा का भरपूर प्रयोग किया गया। जितनी अधिक मारपीट, हत्या, शवों के ढेर, दर्शकों की उतनी ही अधिक तालियां।

इन दिनों तो बहुत से विमर्श अपने-अपने हित और निहित स्वार्थों के कारण खुलेआम हिंसा की वकालत करते नजर आते हैं। इसे वे अन्याय के विरुद्ध, समय और न्याय की जरूरत बताते हैं। आम लोग इनके इमोशनल भाषणों और कथनों के दुष्चक्र में भी फंस जाते हैं। कहते हैं कि हिंसा देखते-देखते हम उसके आदी हो जाते हैं। एकहद के बाद वह हमें परेशान नहीं करती। एक हत्या के बाद दो, चार, सौ, पचास हत्याएं भी हो जाएं, हमारे सामने ही सब कुछ हुआ हो, तब भी बस हम उसे देखते हुए भी उसकी तपिश को महसूस नहीं करते। पता नहीं कब से ऐसा चल रहा है। लगता है चलता ही रहेगा। तकनीक ने जहां मनुष्य के लिए ज्ञान के दरवाजे खोले हैं, वहां अपराधों की पाठशालाएं भी कोई कम नहीं खुली हैं। तभी तो कई खबरें ऐसी पढ़ती हूं, जहां नेट के जरिए लोग बम बनाने के आसान तरीके सीखने की कोशिश करते हैं। तरह-तरह की हिंसा, किसी को मारने के तौर-तरीके देखकर मुदित होते हैं। वैसे हम अहिंसा के पूजक देश में रहते हैं। बात-बात में दया और ममता पर व्याख्यान देते हैं। कहावत है न मुंह में राम बगल में छुरी। कहने की बात और करने की बात और। हिंसा की वकालत करने वाले, दैनंदिन जीवन में हर वक्त उसका सहारा लेने वाले पल-पल अहिंसा का राग गाते हैं।

जिस वीडियो के बारे में ऊपर जिक्र किया है, सोचिए कि उन लड़कों के मन में आखिर ऐसा काम करने का विचार क्यों आया होगा। क्यों उन्हें वीडियो बनाना ऐसा काम लगा, जिसकी उन्हें जरूरत थी। किसी को मारने की जरूरत भला क्यों होना चाहिए। वह भी युवाओं को। जिस उम्र में उन्हें पढ़ना, लिखना चाहिए था, रोजगार की तलाश करनी चाहिए थी, अपने परिवार की मदद करनी चाहिए थी, उस उम्र में आखिर वह ऐसा करने क्यों चल पड़े। क्या उनका वातावरण और परिवेश ऐसा था। या कि अच्छे-बुरे की पहचान उन्हें किसी ने सिखाई ही नहीं, न ही शायद यह बताया कि कि हत्या के जुर्म में वे पकड़े भी जा सकते हैं। लगा होगा कि जैसे सब बच जाते हैं, हम भी बच जाएंगे। ■

अब तक तो खबरें इस बात पर होती थी, वीडियो भी बनते थे कि कैसे किसी ने जरूरतमंद की मदद की, किसी को बचाया। किसी दुर्घटना के वक्त अपरिचित भी दौड़े आए लेकिन इस खबर के मुताबिक किसी को कैसे मार सकते हैं। इस बात को छिपाने, शर्मिंदा होने के मुकाबले, यह दिखाना कि किसी को मारने में भी कितना आनंद है।

गर्मियों में शिशु की त्वचा की देखभाल

गर्मियों में शिशुओं की देखभाल का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासकर स्वच्छता का। एक बच्चे की त्वचा बहुत कोमल होती है और उसे मौसमी बदलावों की आदत डालनी पड़ती है। लालिमा के साथ त्वचा में जलन हो सकती है। डायपर लगाने वाले स्थान पर गीलापन भी त्वचा में जलन और संवेदनशीलता का कारण बनता है। सिर की पपड़ीदार स्थिति, जिसे क्रैडल कैप के रूप में जाना जाता है, यह भी शिशुओं में आम है। शिशुओं को रैशेज होने का खतरा सबसे ज्यादा डायपर क्षेत्र में होता है। गर्मी के दिनों में घमौरियां होना भी शिशुओं में आम समस्या है। यदि चकत्ते एक दिन से अधिक समय तक बने रहते हैं, तो आपको मालिश करने से पहले अपने चिकित्सक से परामर्श करना चाहिए।

पाउडर रखेगा त्वचा को सूखा

पाउडर डायपर क्षेत्र को सूखा रखने में मदद करेगा, लेकिन बहुत अधिक पाउडर का उपयोग करने से बचें, यह बच्चे की त्वचा की सिलवटों और दरारों में जम सकता है। शिशु की मालिश देखभाल का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। मालिश शरीर को लाभ

के अलावा, स्वस्थ्य भावनात्मक विकास में भी मदद करती है। अध्ययनों से भी यह बात पता चली है कि मालिश भावनात्मक बंधनों को मजबूत बनाती है और बच्चे को सुरक्षा और मानसिक कल्याण की भावना देती है।

मौसम के अनुसार करें तेल का चुनाव

आयुर्वेद मौसम के अनुसार तेल के चुनाव पर जोर देता है। शुद्ध जैतून के तेल का शिशुओं की त्वचा पर कोमल प्रभाव होता है और यह बच्चे की त्वचा के लिए आदर्श भी है। भारी परफ्यूम वाले तेल का इस्तेमाल बच्चे की त्वचा पर नहीं करना चाहिए। जैतून का तेल हल्का और शिशु की त्वचा पर जल्दी अवशोषित हो जाता है। मालिश के कई शारीरिक लाभ भी होते हैं। शुरु

आती महीनों में, शिशु शायद ही कोई शारीरिक गतिविधि करता है इसलिए मालिश रक्त परिसंचरण, मांसपेशियों की टोन और विकास में मदद करती है।

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

धूप भी है जरूरी

मालिश के बाद लगभग दस मिनट तक बच्चे को धूप में छेड़ने का अभ्यास, विटामिन डी के निर्माण में मदद करता है और यह स्वस्थ हड्डियों के विकास में भी सहायता करता है। धूप का सेवन शिशु को रिकेट्स जैसी बीमारियों से बचाता है, लेकिन, बच्चे को ज्यादा देर तक धूप में नहीं छोड़ना चाहिए, इससे सनबर्न भी हो सकता है। बच्चे के सिर और चेहरे को सीधी धूप से दूर रखें।

बरतें विशेष सावधानी

शिशु की मालिश और नहलाने से पहले अंगूठियां और ऐसी ही अन्य चीजें हटा दें, ताकि कोई चोट न लगे। अपने नाखूनों को छोटा रखना भी बेहतर है। सरल थपथपाकर मालिश करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे के हाथ और पैर बहुत मजबूती से न खींचे जाएं। अचानक, झटकेदार हरकतें शिशु को डरा सकती है। सिर और चेहरे की मालिश नहीं करनी चाहिए। गर्भनाल के क्षेत्र का विशेष रूप से पहले कुछ हफ्तों के दौरान ध्यान रखें। बुखार या बीमारी होने पर बच्चे की मालिश करने से पहले अपने डाक्टर की सलाह लें। ■

अनानास का श्रीखंड

सामग्री- दही एक कप, एक पके हुए अनानास का पल्प, एक कप चीनी, एक चुटकी इलायची पाउडर, 1/4 चम्मच केसर, एक चम्मच बारीक कटे काजू-पिस्ता।

विधि- एक सूती कपड़े में दही को डाल कर अच्छे से पोटली बांध ले। अब इस पोटली को कम से कम 2 घंटे तक लटका कर रखें ताकि दही से पानी निकल जाए। तय समय के बाद दही को पोटली से निकाल कर एक बर्तन में रखें। अब इसमें अनानास का गूदा, इलायची पाउडर, केसर और चीनी मिलाए। सभी सामग्रियों को एक बार मिक्सी में घुमा लें। तैयार हो गया अनानास का श्रीखंड। इसमें काजू-पिस्ता का टुकड़ा ऊपर से मिलाए। तैयार हो गया अनानास का श्रीखंड। इसे फ्रीज में रखें। बाद में ठंडा -ठंडा बाउल में रखकर परोसें।

बटर स्कॉच कस्टर्ड कुल्फी

सामग्री- फुल क्रीम दूध दो लीटर, मिल्क मेड 50ग्राम, बटर स्काच कस्टर्ड 100 ग्राम, चीनी दो कप, आधा कप भुना हुआ बादाम, 4-5 केसर, इलायची पाउडर आधा चम्मच।

विधि- एक कटोरी में बटर स्काच कस्टर्ड एक कप दूध के साथ ऐसा मिलाएं कि उसमें गुठली न पड़े। मीडियम आंच पर दूध को बर्तन में उबाल लें। जब दूध उबल कर आधा हो जाए तब उसमें चीनी, बादाम, मिल्क मेड, बटर स्काच कस्टर्ड का मिश्रण, इलायची पाउडर डालकर अच्छे से मिलाए। जब दूध गाढ़ा होने लगे तो आंच बंद कर दें। कुल्फी का मिश्रण तैयार हो गया। अब इस मिश्रण को कुल्फी के सांचे में डालकर फ्रिज में 7-8 घंटों के लिए जमने रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से निकालें। बटर स्काच कस्टर्ड कुल्फी तैयार है। प्लेट में निकाल कर केसर से सजाकर सर्व करें।

खट्टी टिक्की

सामग्री- दो आम के टुकड़े कटे हुए, दो उबले आलू, दो चम्मच कार्नफ्लावर, दो हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 2 बड़ा चम्मच कटा हुआ धनिया, एक चम्मच नीबू का रस, आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर, एक चम्मच बेकिंग पाउडर, नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

विधि- सबसे पहले एक कटोरी में आलू, बेकिंग पाउडर, नमक, हरी मिर्च, धनिया, नींबू का रस और काली मिर्च पाउडर मिलाए। अब एक दूसरी कटोरी में आम को मैश करके इसमें भी नमक, हरी मिर्च, धनिया, नींबू का रस और काली मिर्च पाउडर मिलाएं। मैश्ड किया आलू का थोड़ा सा हिस्सा लेकर उसमें बाउल में रखा एक चम्मच आम मैश का भरावन रखें। अब इसे गोलाकार से थोड़ा चिपटा टिक्की के आकार दें। मीडियम आंच पर पैन में घी गरम करने के लिए रखें। घी गरम होते ही टिक्की को कार्न फ्लोर से लपेटकर पैन में डालें। दोनों तरफ से पलटते हुए करारा सेंक लें। तैयार हो गई आलू की खट्टी टिक्की। इसे आप हरी चटनी, सास या दही के साथ भी सर्व कर सकती है।

दो स्टॉप के सहारे चलाया जा रहा नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

प्रखर खानपुर गाजीपुर। क्षेत्र के गोरखा स्थित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर सुबह के दस बजे तक एक भी डॉक्टर नही दिखे उपस्थित।गाजीपुर जिले के सैदपुर तहसील अंतर्गत खानपुर क्षेत्र के गोरखा स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर स्वास्थ्य सुविधाएं नदारद दिखी।वही स्वास्थ्य केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर भी नदारद दिखे,तो वही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर दवाओं के रखरखाव और हालात भी बेहद गंभीर दिख रहे हैं।स्वास्थ्य केंद्र पर मौजूद आयुर्वेद के डॉक्टर संत प्रकाश सिंह और फार्मासिस्ट शाहिद जमाल के सहारे हॉस्पिटल को चलाया जा रहा है।वही जब वार्डव्याय और स्वीपर के बारे में पूछा गया तो फार्मासिस्ट द्वारा बहाने बनाते हुए जबाब से कतराते हुए देखे गए।वही परिसर के अंदर सभी कमरों पर ताला लटका नजर आया वही हॉस्पिटल के परिसर के अंदर लगे सभी खिड़की दरवाजे भी टूटे फूटे नजर आ रहे थे।वही स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकीय सहित जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण मरीजो को दो-चार होना पड़ रहा है और मजबूरी में प्राइवेट हॉस्पिटलों का सहारा लेना पड़ रहा है।वही हॉस्पिटल परिसर में लगे पानी टंकी भी मात्र शो-पीस बनी हुई है।क्षेत्रीय लोगो का कहना है आयेदिन डॉक्टरों के उपस्थित न होने के कारण मजबूरन हम लोगो को प्राइवेट हॉस्पिटलों में जाकर ईलाज करवाना पड़ता है। हॉस्पिटल पर अगर आयुर्वेद चिकित्सक न आये तो स्वास्थ्य केंद्र के मेंन गेट पर भी ताला लटका ही नजर आयेगा।वही जब इस बाबत में डॉ केडी उपाध्याय से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मेरी ड्यूटी सैदपुर हॉस्पिटल पर लगाई गई है जिसके कारण मैं वहां नही आ पाया और जब उनसे महिला प्रसव कमरे के बारे में पूछा गया तो उनका कहना है कि स्वास्थ्य केंद्र एनएनम न होने के कारण वहां प्रसव नही कराया जाता है जिसके कारण प्रसव कमरे में दवाइयां रखी जाती हैं।लेकिन कही न कही डॉक्टर भी अपनी जबाबदेही से बत्तर है वही दूसरे तरफ स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात डॉक्टरों की लापरवाही भी चरम सीमा पर है।स्वास्थ्य केंद्र पर बने महिला प्रसव रूम को हॉस्पिटल कर्मचारियों द्वारा दवाखाना बना दिया गया है।वही दूसरे तरफ

हॉस्पिटल परिसर के अंदर गंदगी की तो कोई सीमा ही नही है।कई वर्षो से रंगाई पोताई व साफ-सफाई न होने के कारण परिसर के चारो तरफ घास उग आए है।तो वही परिसर में मौजूद शौचालय में ताला लगे होने के कारण हॉस्पिटल पर आ रहे मरीजो को भी खुले में मजबूरन शौच के लिए जाना पड़ता हैं।

वही जब इस बारे में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर अधीक्षक डॉ संजीव सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि गोरखा स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डॉ केडी उपाध्याय की इमरजेंसी ड्यूटी सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लगाई गई है।और गोरखा स्थित स्वास्थ्य केंद्र पर स्वीपर और वार्डव्याय न होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य केंद्र के प्रसव कमरे में बनाया गया दवाखाना- क्षेत्र के गोरखा स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लापरवाहियों की सभी हदे पार हो गई है।एक तरफ स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति जहाँ बद से

जांच में शामिल नहीं हुए तो होगी कुमार विश्वास की गिरफ्तारी

गाजियाबाद। मशहूर कवि और आम आदमी पार्टी के पूर्व नेता कुमार विश्वास पर पंजाब पुलिस ने वैमनस्यता फैलाने के आरोप में कई धाराओं में केस दर्ज किया है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता की शिकायत के आधार पर पंजाब पुलिस ने कुमार विश्वास पर गलत इंटरव्यू देकर वैमनस्यता फैलाने के आरोप में केस दर्ज किया है। उन पर जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 125 के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा धारा 153 भी लगाई गई है, जो दंगा भड़काने के मकसद से किए गए भाषण के आरोप में लगाई जाती है। यही नहीं उन पर सेक्शन 153-ए, 505, 502, 116, 143, 147, 323 और 341 के तहत भी केस फाइल किया गया है। पंजाब के रूपनगर पुलिस थाने में उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कुमार विश्वास ने आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल ने उनसे कहा था कि वह पंजाब के सीएम बनना चाहते हैं और यदि ऐसा नहीं होता है तो फिर आजाद खालिस्तान के पीएम बन जाएंगे। खालिस्तानी कट्टरपंथियों से अरविंद केजरीवाल के रिश्ते के आरोपों पर राजनीति तेज हो गई थी और इसे लेकर कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी पर हमला बोला था। कुमार विश्वास

की इस टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार ने उन्हें वाई सिक्योरिटी मुहैया कराई थी। कुमार विश्वास के आरोपों के बाद भाजपा और कांग्रेस ने अरविंद केजरीवाल एवं आम आदमी पार्टी पर हमला बोला था। रूपनगर के एसएसपी डॉ. संदीप गर्ग ने कहा कि कुमार विश्वास के खिलाफ 12 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई थी। उन्होंने कहा, 'एक शिकायत दी गई थी कि कुमार विश्वास ने इंटरव्यू में जो बयान दिया था, वह समाज में रंजिश को बढ़ावा देने वाला है। आधार पर ही उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है।' बता दें कि बुधवार को सुबह पंजाब पुलिस के कुछ अधिकारी कुमार विश्वास के गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर 3 स्थित आवास पर पहुंचे थे।

घरेलू स्रोतों से खरीद के लिए बजट का 65.50 प्रतिशत उपयोग : रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2021-22 में घरेलू उद्योग के लिए पूंजी अधिग्रहण बजट का 64 प्रतिशत अलग रखकर लक्ष्य को हासिल' करने में सफल रहा है। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसने घरेलू स्रोतों से खरीद करने के लिए पूंजी अधिग्रहण बजट का 65.50 प्रतिशत उपयोग किया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में घरेलू उद्योग के लिए पूंजी अधिग्रहण बजट का 64 प्रतिशत निर्धारित किया था। 2021-22 के अंत में, मंत्रालय इस लक्ष्य को प्राप्त करने में "सक्षम रहा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए भारतीय उद्योग के माध्यम से स्वदेशी खरीद पर पूंजी अधिग्रहण बजट का 65.50 प्रतिशत उपयोग किया है।" मंत्रालय ने कहा कि वह 2021-22 में रक्षा सेवाओं के बजट का 99.50 प्रतिशत उपयोग करने में सक्षम है। मार्च 2022 की प्रारंभिक व्यय रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय वित्त वर्ष 2021-22 में रक्षा सेवाओं के बजट का 99.50 प्रतिशत उपयोग करने में सक्षम है।" पिछले कुछ वर्षों में, मोदी सरकार ने घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। मई 2020 में, सरकार ने रक्षा क्षेत्र में स्वचालित मार्ग के तहत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। भारत विश्व स्तर पर हथियारों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है। एक अनुमान के अनुसार, भारतीय सशस्त्र बलों के लगभग 130 बिलियन अमरीकी डालर (अगले पांच वर्षों में पूंजी खरीद में) खर्च करने का अनुमान है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत में ब्लॉक स्वास्थ्य मेले का हुआ आयोजन

चिलचिलाती धूप में छटपटाती रही प्रसूताएं, एक घण्टे देरी से आये सांसद

प्रखर केराकत जौनपुर। नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में बुधवार की दोपहर 12 बजे मुक्तिगंज ब्लॉक प्रमुख विनय सिंह की अध्यक्षता में ब्लाक स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में एक घण्टे देरी से पहुँचे सांसद वीपी सरोज ने कार्यक्रम की शुरूआत फीता काट कर किये मेले में लगे सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के स्टॉल की बारीकियों से जानकारी साझा करते हुए सरकार की जमकर उपलब्धियों को गिनाई। वही कार्यक्रम में चिलचिलाती धूप में सांसद के इंतजार में प्रसूताओं और जच्चा-बच्चा व्याकुल व बेबस नजर आयी, वही आशाओं ने अपने ऊपर होने वाली कार्रवाई के डर से धूप में

बेबस और बेहाल सभी माताओं और प्रसूताओं को कार्यक्रम से घर नही जाने दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रसूता महिलाओं की गोदभराई की गई कार्यक्रम समापन होते ही सभी प्रसुताओं और माताएं अपने बच्चों समेत मौके से अपने घर के लिए रवाना हो गयी कार्यक्रम में समय से पहुँचे मुफ्तीगंज ब्लॉक प्रमुख विनय सिंह कार्यक्रम में धूप और तल्खी से व्याकुक प्रसूताओं और माताओं की तकलीफ को समझते हुए अल्प समय मे अध्यक्षी उद्बोधन खत्म कर कार्यक्रम की समाप्ति की।इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी लक्ष्मी सिंह, अधिक्षक डॉ अजय सिंह, नेत्र सर्जन अंकित श्रीवास्तव, वृजेष सिंह, रामसमुझ निषाद, संजय सिंह समेत तमाम चिकित्सक और राजनेता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन विनोद सिंह ने किया।

राजस्थान में वाहन पलटने से 11 लोगों की मौत, पीएम ने जताया दुख

जयपुर। राजस्थान के झुंझुनू जिले में उदयपुरवाटी-गुढ़ा मार्ग पर वाहन के पलट जाने से एक ही परिवार के दो महिलाओं और दो किशोरों सहित कुल ग्यारह लोगों की मौत हो गई। हादसे में सात अन्य घायल हो गए, जिन्हें झुंझुनू के अस्पताल में भर्ती किया गया है। एक परिवार के लगभग 18 सदस्य परिवार के एक बुजुर्ग सदस्य की अस्थियां विसर्जित करने गए थे, जिनका हाल ही में वाहन के पलटने से निधन हो गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रत्येक मृतक के परिजन को दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मोदी के हवाले से ट्वीट किया, "झुंझुनू में हुए दर्दनाक हादसे से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पीएमएनआरएफ की ओर से

प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपये दिए जाएंगे। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने भी दुखद हादसे पर दुख जताया है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के जेई और बस्ती के असिस्टेंट सेल्स कमिश्नर सस्पेंड

गाजियाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा लूट व रंगदारी के मामले में गिरफ्तार बस्ती के असिस्टेंट कमिश्नर वाणिज्यकर (सचल दल) आशुतोष मिश्र और अवैध निर्माण के आरोपी गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता शिव ओम को निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के ट्विटर हैंडल पर मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बस्ती में तैनात वाणिज्य कर विभाग के असिस्टेंट कमिश्नर आशुतोष मिश्र को मुंबई क्राइम ब्रांच की क्रिमिनल इंटेलिजेंस यूनिट ने पिछले हफ्ते गिरफ्तार किया है। इस मामले में महाराष्ट्र के आईपीएस अधिकारी सौरभ त्रिपाठी पर कार्रवाई हो रही है। उनको भी निलंबित किया जा चुका है। सौरभ त्रिपाठी आशुतोष के जीजा बताए जाते हैं। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष कृष्णा करुणेश ने अवर अभियंता शिव ओम के खिलाफ रिपोर्ट भेजी थी।

नड्डा को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी भाजपा की फैक्ट फाइंडिंग टीम

नदिया। हाल ही में भारतीय जनता पार्टी भाजपा की फैक्ट-फाइंडिंग टीम ने पश्चिम बंगाल के नदिया का दौरा किया, जहां सामूहिक बलात्कार के बाद कथित तौर पर एक किशोरी की मौत हो गई थी। अब इस फैक्ट-फाइंडिंग टीम के बुधवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को एक रिपोर्ट सौंपने की संभावना है। एक हफ्ते पहले भाजपा ने घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय फैक्ट-फाइंडिंग टीम का गठन किया था। टीम ने शुक्रवार को गांव का दौरा किया और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। टीम में पार्टी की उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन, पार्टी नेता खुशबू सुंदर और पश्चिम बंगाल की विधायक श्रीरूपा मित्रा चौधरी शामिल हैं। नड्डा ने टीम को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा था। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर केंद्रीय जांच ब्यूरो पहले से ही मामले की जांच कर रहा है। लड़की के परिवार ने आरोप लगाया कि 4 अप्रैल को उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया

गया और बिना पोस्टमार्टम के जल्दबाजी में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्होंने एक सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता के बेटे को मुख्य आरोपी के रूप में नामित किया है, जिसे एक दोस्त के साथ गिरफ्तार भी किया गया है। बाद में सीबीआई ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा इस मामले को "प्रेम प्रसंग" के रूप में बताने पर भी काफी बवाल हो चुका है। आरोप है कि 14 वर्षीय पीड़िता को टीएमसी नेता के बेटे ने अपने जन्मदिन पर आयोजित पार्टी के लिए बुलाया था। इसके बाद जब लड़की देर रात घर लौटी तो अगले दिन अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मृत्यु हो गई। शाम को बिना मृत्यु प्रमाण पत्र के उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। 10 अप्रैल को लड़की के परिवार ने टीएमसी नेता के बेटे के खिलाफ रेप का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। स्थानीय निवासियों और लड़की के परिवार ने पुलिस को बताया कि कथित रूप से बलात्कार से पहले उसे शराब पीने के लिए मजबूर किया गया था।

बारातियों से भरी बस व ट्रैक्टर में टक्कर, 4 की मौत, 10 घायल

फतेहपुर। फतेहपुर में बारातियों से भरी बस और ट्रैक्टर में आमने-सामने की टक्कर में 4 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई, और 10 बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। साथ ही मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसा प्रेम नगर के पास हुआ। यहां कौशांबी जिले के कमालपुर गांव के शशि प्रकाश गौतम की बारात फतेहपुर जिले के टेनी गांव जा रही थी। तभी बारातियों से भरी बस और ट्रैक्टर में भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुःख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति शोक संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही सीएम ने हादसे में घायल लोगों का समुचित उपचार कराए जाने के निर्देश दिए हैं। इसकी वजह से बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच के फासले को पाटने में कई राज्यों को दिक्कत हो रही है। महासंघ के प्रवक्ता वीके गुप्ता ने कहा कि तापीय विद्युत संयंत्रों को कोयले की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित न किए जाने पर देश को बिजली संकट का सामना करना पड़ सकता है।

दुपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की सेफ्टी को और पुख्ता करने में जुटी मोदी सरकार

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों विशेष तौर पर दोपहिया वाहनों की सेफ्टी को और पुख्ता बनाने के लिए मोदी सरकार ने कमर कस ली है। हाल के दिनों में देश में अलग-अलग इलाकों से इलेक्ट्रिक स्कूटरों के धू-धू कर जलने की खबरें लगातार आईं। इन घटनाओं पर तुरंत एक्शन लेकर जहां सरकार ने जांच के आदेश दिए, वहीं अब इनके लिए स्टैंडर्ड को तय किए जाने का काम भी चल रहा है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी के हवाले से खबर दी, कि सरकार बैटरी में इस्तेमाल होने वाले सेल के मानकों को संशोधित करेगी। इनकी टेस्टिंग और बैटरी मैनेजमेंट से जुड़े मानदंडों को भी संशोधित किया जाएगा। शुरूआती जांच रिपोर्टों से पता चलता है कि एक निश्चित तापमान पर पहुंचने के बाद बैटरियों में इस्तेमाल होने वाले सेल आग पकड़ रहे हैं, इसकारण इलेक्ट्रिक गाड़ियां धू-धू कर जल रही हैं। नए मानक मुख्य तौर पर ज्यादा प्रोडक्शन के साथ-साथ सेल और बैटरी की स्टोरेज क्षमता, रिचार्ज स्टैंडर्ड और अन्य सेफ्टी फीचर्स पर जोर देने वाले हैं। खबर के मुताबिक सरकार अभी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को रिकॉल करने का प्लान नहीं कर रही है, बल्कि मामले में अभी डीआरडीओ और इंडियन इंस्टीयूट आफ सांइस की रिपोर्ट का इंतजार है, जो इलेक्ट्रिक गाड़ियों में आग लगने के कारणों पर विस्तार से जांच कर रहे हैं।

प्रवेश फॉर्म का वितरण आज से

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कालेज में कक्षा 6, 9 व 11 में प्रवेश के लिए प्रवेश फॉर्म का वितरण गुरुवार से होगा। उक्त जानकारी देते हुए प्राचार्य रामाश्रय सिंह ने बताया कि नए कक्षाओं में प्रवेश के साथ कक्षाएं संचालित होने लगी है। वही कक्षा 6, 9 व 11 में प्रवेश फॉर्म गुरुवार से वितरण विद्यालय काउंटर से होगा। प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र को प्राथमिकता के आधार पर प्रवेश मिलेगा।

यूपी में इन कर्मचारियों को मनचाहे जिलों में मिलेगी तैनाती

गाजियाबाद। यूपी में राज्य कर्मियों के लिए सालाना तबादला नीति जल्द आने वाली है। इस बार अधिकतर ऑनलाइन तबादले किए जाएंगे। मेरिट के आधार पर अच्छे काम करने वालों को मनचाहे जिलों में तैनाती दी जाएगी। इसके लिए उनसे ऑनलाइन विकल्प लिए जाएंगे। तीन साल से एक ही जिले में कर्मचारी इसके दायरे में आएंगे। कार्मिक विभाग ने इसके लिए प्रारूप तैयार कर लिया है और कैबिनेट मंजूरी के बाद इसे लागू किया जाएगा। राज्य सरकार हर साल तबादला नीति लाती है। इसके लिए सभी विभागों से मानव संपदा पोर्टल पर अधिकारियों और कर्मचारियों का ब्यौरा ऑनलाइन कराया जा रहा है। प्रस्ताव के मुताबिक समूह क व ख के जो अधिकारी अपने सेवाकाल में एक ही जिले में तीन साल और मंडल में सात वर्ष पूरा करने वाले इसके दायरे में आएंगे। समूह क के अधिकारियों को उनके गृह मंडल और समूह ख के अधिकारियों को उनके गृह जिले में तैनात न करने का प्रस्ताव है।

कलश यात्रा व भव्य काफिला के साथ कछवा नगर भ्रमण करते हुए मझवा पहुंचे विराग सागर जी महाराज

प्रखर मिजार्पुर। कछवां मझवा बाजार मे आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महा महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ पांच दिवसीय कार्यक्रम में भाग लेने कछवा पहुंचे विराग सागर जी महाराज का जैन समुदाय व कछवा के लोगों के द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया माना जा रहा है कि पूर्वांचल में पहली बार जैन समुदाय का यह भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। भव्य जैन मंदिर निर्माण व महायज्ञ में शामिल होने पहुंचे दिगंबर जैन संत आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज संग 80 पिच्छियों का विशाल संतों का संघ पैदल विहार करते हुए सुबह कछवा श्री गांधी विद्यालय इंटरमीडिएट खेल ग्राउंड पहुंचा जहां से विशाल शोभायात्रा लेकर कछवा नगर का भ्रमण करते हुए मझवा पहुंचे शोभायात्रा में आकर्षण का केंद्र भारी संख्या में महिलाएं कलश लिए हुई व घोड़े हाथी सवार बैंड बाजा के साथ झूमते हुए जैन समुदाय के लोग रहे वही बड़ी संख्या में जैन समुदाय के

लोग काफिले के आगे आगे अपने गुरु का स्वागत अभिनंदन करते हुए दिखाई दिए गुरु के पीछे भी भारी संख्या में महिलाएं व पुरुष इस शोभा यात्रा मे अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। व नगर के लोगों ने भी श्री गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के प्रथम आगमन पर पुष्पवर्षा कर जैन संतों का भव्य स्वागत किया। श्री गांधी विद्यालय खेल मैदान से इस शोभा यात्रा का शुभारंभ हुआ। भव्य जुलूस मझवा नवनिर्मित जैन मंदिर के लिए प्रस्थान किया। मालूम हो कि भारत की प्राचीनतम धर्मों में जैन धर्म बहुत ही प्राचीन माना जाता रहा है अनेक वर्षों तक बुंदेलखंड की धरा को अपनी चरण रज से पवित्र करने वाले दिगंबर जैन संत आचार्य श्री 108 विराग सागर महाराज एवं संघ के कदम जैसे ही मिजार्पुर की धरती कछवा की ओर बढे, सभी स्थानों के जैन समाज में हर्ष की लहर दौड़ गई। अनेक स्थानों को अपनी चरण रज से पवित्र करते हुए आचार्य श्री विराग सागर महाराज मझवा की ओर बढ़ चले जहां लोगों ने उनका भव्य स्वागत और अभिनंदन किया 20 अप्रैल से 25 अप्रैल तक महाराज जी द्वारा पंचकल्याणक प्रतिष्ठान महोत्सव का आयोजन किया जाएगा जिसमें विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम महायज्ञ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रवचन आदि सम्मिलित है उक्त अवसर पर दिगंबर जैन समाज मझवा अध्यक्ष पारसनाथ जैन उपाध्यक्ष भरत लाल जैन कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार जैन मंत्री अरविंद कुमार जैन व अरुण कुमार जैन एवं शक्ल जैन आदि भारी संख्या में जैन समुदाय व क्षेत्र के सम्मानित लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर बैठक संपन्न

मऊ। 14 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय आदिल आफताब अहमद की अध्यक्षता में बैठक आहूत की गयी। बैठक में सर्व प्रथम प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय द्वारा 14 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन तथा अधिक से अधिक पारिवारिक विवाद के मामलों को लगवाकर निस्तारण कराये जाने पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही साथ बैठक में उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण एवं अधिवक्तागण को यह भी निर्देश दिया गया कि ऐसे पारिवारिक मामले जिनका राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण आपसी सुलह समझौते के आधार पर आसानी से हो सकता है, उन्हें विशेष रूप से चिन्हांकित किया जाय तथा उनका निस्तारण कराया

जाय। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा द्वारा आम जन से अपील की गयी कि उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में अपने लम्बित पारिवारिक मामलों को अधिक से अधिक संख्या में लगवाकर निस्तारण करायें तथा इसका भरपूर लाभ उठायें एवं अनावश्यक भाग दौड़ एवं फिजुल खर्चे से बचें। इस अवसर पर पंकज मिश्रा अपर प्रधान न्यायाधीश, आनन्द प्रकाश सिंह अपर प्रधान न्यायाधीश, सदानंद राय एडवोकेट, इश्तियाक अहमद एडवोकेट, हरिद्वार राय, एडवोकेट, मनोज कुमार त्रिपाठी एडवोकेट, संजय दूबे एडवोकेट, हूँमा रिजवी परामर्शदाता परिवार न्यायालय, निर्मल कुमार परामर्शदाता परिवार न्यायालय, विनोद कुमार सिंह एडवोकेट उपस्थित रहे।

आरसीबी की पांचवीं जीत

डु प्लेसिस और हेजलवुड के दम पर बेंगलुरु ने लखनऊ को हराया, अंक तालिका में दूसरे स्थान पर आरसीबी

मुंबई। सलामी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस (96) की कप्तानी पारी और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (25 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को मंगलवार को 18 रन से हरा दिया। बेंगलुरु ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 181 रन बनाये जबकि लखनऊ की टीम आठ विकेट पर 163 रन ही बना सकी। बेंगलुरु की सात मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि लखनऊ की टीम सात मैचों में तीसरी हार के साथ चौथे स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ ने तीसरे ही ओवर में क्विंटन डी कॉक को गंवाया। जोश हेजलवुड ने डी कॉक को निपटाने के बाद मनीष पांडेय को 33 के स्कोर पर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। कप्तान लोकेश राहुल और क्रुणाल पांड्या ने तीसरे विकेट के लिए 33 रन जोड़े। राहुल 24 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए। दीपक हुड्डा 13 रन बनाकर टीम के 100 के स्कोर पर आउट हुए। कुणाल पांड्या 28 गेंदों पर 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आयुष बदौनी दबाव नहीं झेल पाए और 13 रन बनाकर आउट हो गए।

डैथ ओवर मं हेजलवुड ने किया कमाल

बदौनी को हेजलवुड ने अपना तीसरा शिकार बनाया। हेजलवुड ने फिर मार्कस स्टॉयनिस (24) को आउट कर लखनऊ का बचा खुचा संघर्ष समाप्त कर दिया। लखनऊ को आखिरी ओवर में 31 रन चाहिए थे और मैच बेंगलुरु की झोली में जा चुका था। डैथ ओवरों में लखनऊ की बल्लेबाजी दबाव में दम तोड़ गयी। हेजलवुड ने 25 रन देकर चार विकेट झटके। बेंगलुरु 10 अंकों के साथ अंक तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष पर आ गई है बेंगलुरु की टीम को हालांकि अभी अपना नेट रन रेट देखना होगा। लेकिन यह एक अच्छा टीम प्रयास था। जहां पहले फाफ ने जादू बिखेरा, वहीं हेजलवुड ने दिखाया कि वह सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाजों में से एक हैं।

चार रनों से शतक से चूके डु प्लेसिस

डी वाई पाटिल स्पोर्टस अकादमी स्टेडियम पर टास हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरे रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु को पहले ही ओवर में दो झटके लगे जब दुष्मंत चमीरा की पांचवीं गेंद पर अनुज रावत (चार) और छठी गेंद पर विराट कोहली बगैर खाता खोले पवेलियन लौट गये मगर दूसरे छोर पर टिके डु प्लेसिस के इरादे खतरनाक थे जिसका अहसास लखनऊ के खिलाड़ियों को ओवर दर ओवर होता चला गया। डु प्लेसिस ने एक छोर पर टिक कर धुआंधार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये 96 रन मात्र 64 गेंदों में ठोक दिये जिसमें उनके दो जानदार छक्के और 11 चौके शामिल थे । शतक की ओर बढ़ रहे डु प्लेसिस की पारी का अंत जेसन होल्डर ने किया जब पारी के अंतिम ओवर में धीमी बाउंसर को उड़ाने के प्रयास में वह डीप बैकवर्ड स्कावयर पर खड़े स्टॉयनिस के हाथों लपके गये।

विश्व कप खेलना चाहते हैं कार्तिक

अब तक आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन से साबित की दावेदारी

मुम्बई। पिछले साल कोरोना के कारण कुछ दिनों तक आईपीएल टल जाने के बाद दिनेश कार्तिक इंग्लैंड गए और अपने कॉमेंट्री करियर की विधिवत शुरुआत की। इस दौरान उनके समकालीन विश्लेषण, बीच-बीच में किए गए मजाक और उनकी ताजी आवाज से लोग प्रभावित भी हुए। हालांकि उन्होंने बार-बार जोर देकर कहा कि वह कम से कम 2023 तक भारत के लिए सीमित ओवर की क्रिकेट और विश्व कप खेलना चाहते हैं। कार्तिक को अपने खेल के अलावा अपनी गंभीरता को भी साबित करना था। आईपीएल के इस सीजन के छह मैचों में कार्तिक ने अपनी गंभीरता को भी साबित किया है। इस दौरान उन्होंने 210 की स्ट्राइक रेट और 197 की औसत से रन बनाए हैं और दो बार प्लेयर-ऑफ -द-मैच का अवॉर्ड जीता है। उन्होंने बार-बार यह दोहराया है कि वह भारत के लिए खेलना चाहते हैं। दिल्ली के खिलाफ मैच में 34 गेंदों पर 66 रन की पारी खेलने के बाद कार्तिक ने कहा, मैं स्वीकार करुंगा कि मैं यहां पर एक बड़े लक्ष्य के लिए हूं। मैं टीम इंडिया में वापसी के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य है कि मैं अपने देश के लिए कुछ विशेष करुं। यह आईपीएल उसी यात्रा का एक हिस्सा है। मैं वह सब कर रहा हूं, जिससे मैं भारतीय टीम का हिस्सा बन सकूं। यह उसी दिशा में एक कदम है। फिनिशर की भूमिका के बारे में कार्तिक कहते हैं कि यही भूमिका वह टीम इंडिया के लिए भी निभा सकते हैं। उन्हें आरसीबी के टीम प्रबंधन ने इस भूमिका के लिए पूरी छूट दी है। यह एक बहुत महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका है, जिसमें आपको बहुत कम गेंदें खेलकर भी एक निर्णायक भूमिका निभानी होती है।

फिनिशर की भूमिका निभा सकते हैं कार्तिक: गावस्कर

इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल के मौजूदा सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे दिनेश कार्तिक की बल्लेबाजी से दिग्गज सुनील गावस्कर भी प्रभावित हैं। गावस्कर ने कहा कि यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज आगामी टी20 विश्व कप भारतीय टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभा सकता है। कार्तिक ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में अपनी नई टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए बेखौफहोकर रन बना रहे हैं। गावस्कर ने कहा कि वह टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा बनना चाहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि आप उनकी उम्र को मत देखो, बस यह देखो कि वह किस तरह की पारियां खेल रहे हैं। कार्ति ने अपने प्रदर्शन से मैच का रुख मोड़ दिया है। वह वैसा ही काम कर रहे हैं, जैसा कि छठे या 7वें क्रम के बल्लेबाज से टी20 विश्व कप अक्टूबर-नवंबर 2022 में उम्मीद की जाएगी।

भारत के 41 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमाक ने मंगलवार को जून में होने वाले एएफसी एशियन कप फाइनल राउंड क्वालीफायर से पहले तैयारी शिविर के लिए 41 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। 23 अप्रैल को खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ बेल्लारी में इकट्ठा होंगे और अगले दिन 24 अप्रैल से 8 मई तक प्रशिक्षण शुरू करेंगे। टीम क्वालीफायर तक कैंप में बने रहने के लिए कोलकाता का रुख करेगी। मुंबई सिटी एफसी और एटीके मोहन बागान के खिलाड़ी अपनी-अपनी क्लब प्रतिबद्धताओं के बाद शिविर में शामिल होंगे। एएफसी एशियाई कप के ग्रुप डी में भारत को हांगकांग, अफगानिस्तान और कंबोडिया के साथ रखा गया है। 8 जून से शुरू होने वाला लेग जून में विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में खेला जाएगा।

41 संभावितों की सूची

गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, प्रभशुखान गिल, मोहम्मद नवाज और टीपी रेहेनेश।

डिफेंडर्स: प्रीतम कोटल, आशुतोष मेहता, आशीष राय, होर्मिपम रुइवा, राहुल भेके, संदेश झिंगन, नरेंद्र गहलोत, चिंगलेनसाना सिंह, अनवर अली, सुभाशीष बोस, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह और हरमनजोत सिंह खाबरा।

मिडफील्डर : उदंता सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, अनिरुद्ध थापा, प्रणय हलदर, जैकसन सिंह, ग्लेन मार्टिस, वीपी सुहैर, लालेंगमाविया, सहल अब्दुल समद, यासिर मोहम्मद, लल्लियांजुआला छांगटे, सुरेश सिंह, ब्रैंडन फर्नांडीस, ऋत्विक कुमार दास, ललथांगा खवलरिंग, राहुल केपी, लिस्टन कोलाको, बिपिन सिंह और आशिक कुरुनियान।

फॉरवर्ड : मनवीर सिंह, सुनील छेत्री रहीम अली और ईशान पंडिता।

दिल का दौरा पड़ने के बाद कोमा में नीदरलैंड्स के कोच कैंपबेल

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व वनडे विकेटकीपर हैं रयान कैंपबेल

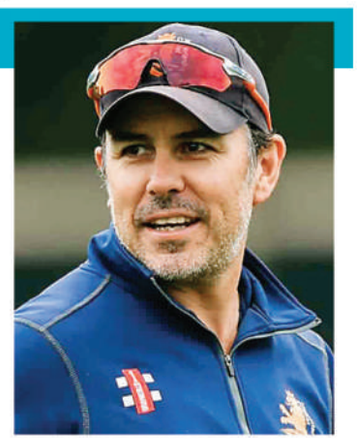

लंदन। नीदरलैंड्स के प्रमुख कोच और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व वनडे विकेटकीपर रयान कैंपबेल को दिल का दौरा पड़ गया। वह यूके के एक अस्पताल में आईसीयू में भर्ती हैं।

कैंपबेल की उम्र 50 वर्ष है। कैंपबेल शनिवार को अपने बच्चों के साथ बगीचे में खेल रहे थे और तभी वह अचानक गिर पड़े। मंगलवार सुबह पता चला है कि वह कोमा में हैं, हालांकि डॉक्टरों की देखरेख में उन्होंने अपने दम पर सांस लेने के कुछ प्रयास जरूर किए हैं। वह नीदरलैंड्स की क्रिकेट टीम के अप्रैल 2017 से कोच हैं और हाल ही में न्यूजीलैंड के सीमित ओवर दौरे पर उन्होंने अपनी टीम की कोचिंग की थी। वह न्यूजीलैंड के दौरे से वापस यूरोप आ गए थे और एक सप्ताह पहले ही अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों से मिलने अपने घरेलू शहर पर्थ गए थे। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 2002 में दो वनडे खेले जब एडम गिलक्रिस्ट ने अपने नवजात बच्चे के साथ समय बिताने के लिए अवकाश लिया था। कैंपबेल ने 1994 से 2006 के बीच 98 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जहां पर उन्होंने 36.31 के औसत से 6009 रन बनाए। वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट के सीईओ क्रिस्टिना मैथ्यूज ने कैंपबेल के परिवार की पेशकश की है।

सौरभ चौधरी को तीन स्वर्ण

निशानेबाजी ट्रायल्स

नई दिल्ली। दुनिया के पूर्व नंबर एक निशानेबाज उत्तर प्रदेश के सौरभ चौधरी ने मंगलवार को यहां डॉ कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में पुरुष 50 मीटर पिस्टल राष्ट्रीय चयन ट्रायल में दबदबा बनाते हुए सीनियर और जूनियर वर्ग में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। पांचवें दिन पिस्टल स्पर्धाओं के चयन ट्रायल तीन और चार में एशियाई खेलों एवं युवा ओलंपिक चैंपियन सौरभ ने पुरुष और जूनियर पुरुष 50 मीटर पिस्टल टी चार में स्वर्ण पदक जीते। उन्होंने पुरुष टी तीन में कांस्य जबकि जूनियर पुरुष टी तीन प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। तोक्यो ओलंपिक के फाइनल में जगह बनाने वाले सौरभ ने टी चार में 60 शॉट की सीरीज में 562 अंक के साथ भारतीय नौसेना के कुणाल राणा को पछाड़ा जिन्होंने 555 अंक जुटाए। जूनियर पुरुष स्पर्धा में इसी स्कोर के साथ उन्होंने 547 अंक बनाने वाले पंजाब के अर्जुन सिंह चीमा को पीछे छोड़ा। सौरभ इससे पहले पुरुष टी तीन स्पर्धा में वायुसेना के अनुभवी गौरव राणा और राजस्थान के ओम प्रकाश मिथेरवाल के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे।

बेंगलुरु ने गोवा को हराया

पणजी। बेंगलुरु एफसी ने यहां जारी रिलायंस फाउंडेशन डेवलपमेंट लीग में मंगलवार को एफसी गोवा को 2-1 से हराकर अपनी लगातार दूसरी जीत दर्ज की। एक अन्य मैच में जमशेदपुर एफसी ने चेन्नइयन को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। बेंगलुरु के लिए बेके ओराम ने 11वें और राहुल राजू ने 87वें मिनट में गोल किया। बेंगलुरु ने बेके के गोल की मदद से 1-0 की लीड ले रखी थी लेकिन छह मिनट बाद ही ब्रीसन फर्नांडीस ने गोल करते हुए स्कोर बराबर कर दिया था। हालांकि मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले राहुल के गोल ने बेंगलुरु को तीन अंक दिला दिए।उधर, दूसरे मैच में एक गोल से पिछड़ रहे होने के बावजूद चेन्नइयन ने एक समय 2-1 की लीड ले ली लेकिन 95वें मिनट में गोल करते हुए जमशेदपुर ने चेन्नइयन को अंक बांटने पर मजबूर कर दिया।

जमशेदपुर ने चेन्नइयन को बराबरी पर रोका

मैनचेस्टर यूनाइटेड में होंगे कई बदलाव

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कोच राल्फ रंगनिक का मानना है कि सीजन के अंत के बाद टीम में कई बदलाव किए जाएंगे। कुछ खिलाड़ियों के अनुबंध से बाहर होने के साथ गर्मियों में व्यस्त होना तय है और अंतरिम प्रबंधक ने भविष्यवाणी की है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में सीनियर प्लेइंग स्टाफ में तीन या चार से अधिक खिलाड़ियों को जोड़ा जाएगा। जर्मन को लगता है कि नए प्रबंधक की किसी भी घोषणा का समय के दौरान प्रदर्शन को प्रभावित नहीं करना चाहिए, लेकिन इनकी भर्ती पर असर पड़ेगा, क्योंकि यूनाइटेड गर्मियों में नए सीजन में ट्रांसफर मार्केट में प्रवेश करने की तैयारी करेगा। कोच रंगनिक द्वारा बोर्ड को कुछ संभावित लक्ष्यों की सिफारिश की जा चुकी है और निवर्तमान मोर्चे पर नेमांजा मैटिक ने पहले ही पुष्टि कर दी है कि वह क्लब छोड़ देंगे। रंगनिक ने मंगलवार रात लिवरपूल में खेल से पहले स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से कहा था, मुझे लगता है गोलकीपर के अलावा, हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि हम सभी क्षेत्रों में टीम में सुधार करें। उन्होंने आगे कहा, उन खिलाड़ियों को लाया जाएगा, जो टीम को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

खिलाड़ियों को देना होगा सर्वश्रेष्ठ

खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा, चाहे अगला प्रबंधक कोई भी हो। अगर तीन सप्ताह में उनकी घोषणा की जाती है, तो मुझे नहीं लगता कि यह वर्तमान स्थिति को प्रभावित करता है जिसमें हम हैं। लेकिन हां, बेशक, यह जानना महत्वपूर्ण है कि नया प्रबंधक कौन होगा, क्योंकि भर्ती प्रक्रिया शुरू करने के लिएए सर्वोत्तम संभव खिलाड़ियों को खोजने के लिए केवल तभी समझ में आता है जब आप जानते है कि प्रबंधक कौन होगा और वह कैसे खेलना चाहते हैं।

बार्सिलोना ओपन

क्वालिफायर टेबर्नर ने कोर्डा को हराया

बार्सिलोना। स्पेन के क्वालीफायर कार्लोस टेबर्नर ने मंगलवार को बार्सिलोना ओपन में घरेलू परिस्थितियों का अच्छा इस्तेमाल करते हुए विश्व के 37वें नंबर के सेबस्टियन कोर्डा को 6-3, 6-0 से हराकर अपनी दूसरी एटीपी 500 जीत हासिल की। बार्सिलोना में डेब्यू करने वाले वर्ल्ड नंबर 94 खिलाड़ी ने कोर्डा के खिलाफ अपने पहले दौर के संघर्ष में अपनी दूसरी सर्विस के पीछे 100 प्रतिशत अंक जीते और 67 मिनट के बाद जीत का सामना करने वाले एक ब्रेक पॉइंट को बचा लिया। अगले दौर में 24 वर्षीय खिलाड़ी का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-अलियासिम से होगा। फरवरी में रॉटरडैम में ताज पर कब्जा करने के बादए कनाडाई इस सप्ताह सीजन की अपनी दूसरी ट्रॉफी उठाने के लिए मुकाबला करेंगे।

लॉयड हैरिस जीतकर दूसरे दौर में

एटीपी टूर वेबसाइट की एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के लॉयड हैरिस ने रॉबटरे कारबॉल्स बेना पर 6-4, 7-6 की जीत के साथ दूसरे दौर में अपनी जगह बनाई। विश्व के 40वें नंबर के खिलाड़ी पिछले हफ्ते मोंट-कार्लो मास्टर्स के पहले दौर में साल के अपने पहले क्ले मैच में हार गए थे, लेकिन अल्बर्ट रामोस-विनोलस के साथ बैठक करने के लिए लगातार प्रदर्शन के साथ जवाब दिया।

केएल राहुल को लगा झटका आचार संहिता के उल्लंघन के लिये लगा भारी जुर्माना

नवी मुंबई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल पर यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिये मैच फीस का 20 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। आईपीएल ने विज्ञप्ति में कहा कि राहुल ने आईपीएल आचार संहिता के लेवल एक अपराध को स्वीकार किया और उन्हें जुमार्ना मंजूर है। राहुल की टीम के साथी मार्कस स्टोइनिस को भी उसी मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिये फटकार लगायी गयी है। आरसीबी ने मंगलवार की रात को खेले गये इस मैच में 18 रन से जीत दर्ज की थी। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने आचार संहिता का क्या उल्लंघन किया था। स्टोइनिस को जोश हेजलवुड के एक ओवर के दौरान मैदानी अंपायर के साथ बहस करते देखा गया था। विज्ञप्ति में कहा गया, स्टोइनिस ने आईपीएल आचार संहिता के लेवल एक अपराध को स्वीकार किया है। आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिये मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और मान्य होता है।

मुंबई में होगा दिल्ली और पंजाब का मैच

नई दिल्ली। आईपीएल 2022 में अब कोरोना की एंट्री हो चुकी है। कोरोना के चलते दिल्ली कैपिटल्स व पंजाब किंग्स के बीच बुधवार को पुणे के` के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में होने वाला मैच अब मुंबई के ब्रेबोर्न स्टेडियम में होगा। बीसीसीआई ने यह फैसला सोमवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी मिचेल मार्श कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद लिया है। इसके अलावा दिल्ली टीम के फीजियो पैट्रिक फारहार्ट और टीम डॉक्टर साल्वी भी कोरोना पॉजिटिव मिले।

दिल्ली की टीम फिलहाल मुंबई में ही है और उसे सोमवार को ही पुणे के लिए रवाना होना था, लेकिन कोरोना के मामले सामने आने के बाद खिलाड़ियों और स्टाफ को होटल में अपने कमरे में ही रहने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही सोमवार को सबकी दो बार आरटीपीसीआर टेस्ट भी की गई। पहले टेस्ट में मार्श की रिपोर्ट निगेटिव आई, लेकिन दूसरे आरटीपीसीआर टेस्ट में वह संक्रमित पाए गए। उनके अलावा स्पोर्ट्स मसाज थेरेपिस्ट चेतन कुमार, टीम डॉक्टर अभिजीत साल्वी, सोशल मीडिया कंटेंट टीम मेंबर अकाश माने भी कोरोना संक्रमित मिले। बताया जा रहा है कि ये सभी फीजियो पैट्रिक फारहार्ट के संपर्क में आए थे, जो 15 अप्रैल को कोरोना पॉजिटिव मिले थे। वहीं, चेतन 16 अप्रैल को संक्रमित पाए गए।

लेग-स्पिनर को यूं ही मैच विनर नहीं कहते

चहल की हैट्रिक पर बोले मलिंगा

नई दिल्ली। आईपीएल के 15वें सीजन के 30वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के लेग-स्पिनर युजवेंद्र चहल ने यादगार प्रदर्शन करते हुए हैट्रिक समेत 5 विकेट चटकाए। चहल के इस परफॉर्मेंस की बदौलत राजस्थान ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 7 रनों से मात दी। 31 साल के चहल के इस शानदार प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच लसिथ मलिंगा गदगद दिखाई दिए। मलिंगा ने कहा कि युजवेंद्र चहल ने दिखा दिया कि आईपीएल में लेग स्पिनर को मैच विनर क्यों कहा जाता है। चहल ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ बेहतरीन 17वां ओवर डाला, जिसमें सत्र की पहली हैट्रिक भी ली। मलिंगा ने कहा, चहल के पास इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने का काफी अनुभव है। वह भारत एवं इस टूर्नामेंट के सबसे अनुभवी लेग स्पिनर हैं। उन्होंने बताया कि कैसे नियंत्रित गेंदबाजी की जाती है। यह उनके लिए भी यह साबित करने का अच्छा मौका है कि वह किसी भी लेवल का प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने में सक्षम है। लेग स्पिनर के पास विकेट लेने के विकल्प अधिक होते हैं। उन्होंने दिखा दिया कि वह कैसे विकेट लेकर एक ओवर में मैच बदल सकते हैं।

बांग्लादेशी पूर्व क्रिकेटर रहमान का निधन

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व तेज गेंदबाज समिउर रहमान का 68 साल की उम्र में ढाका में निधन हो गया । वह ब्रेन ट्यूमर से पीड़ित थे, इसी साल की शुरुआत में जनवरी महीने में उनका उपचार शुरु हुआ था। समिउर 1982 और 1986 में आईसीसी ट्रॉफी में शामिल होने के अलावा, 1986 में बांग्लादेश के पहले दो वनडे मैचों का भी हिस्सा थे। उन्होंने ढाका प्रीमियर लीग में औबोहानी, मोहम्मडन स्पोर्टिंग, बांग्लादेश बिमान, कॉलाबागान क्रीड़ा चक्र, आज़ाद बॉयज़ और ब्रदर्स यूनियन के लिए खेलते हुए शानदार करियर का आनंद लिया।

उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट चैंपियनशिप में भी बोरिशाल का प्रतिनिधित्व किया। अपने खेल करियर के बाद, समिउर ने अंपायर और मैच रेफ़री के रूप में भी काम किया।

किसी भी अधिकारी/कार्मिक द्वारा भ्रष्टाचार व अनियमितता हुई तो निलम्बन के साथ-साथ सीधे किया जाएगा कार्यमुक्त- जिलाधिकारी

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के 75 वीं वर्षगांठ पर 75 तालाबों के जीर्णोद्धार एवं खुदाई का कार्य प्रारंभ किया जा चुका है। जिसमें मनरेगा योजना के अंतर्गत 16 ब्लाकों के विभिन्न गांव में ऐतिहासिक तालाबों का जीर्णोद्धार तथा नए तालाबों की खुदाई होगी, ताकि जनपद में जल संचयन सुचारू रूप से हो सके और जल संरक्षण का कार्य भी संपन्न हो। इसको लेकर राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज के सभाकक्ष में बुधवार को जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में समस्त अधिकारियों की बैठक हुई। इस दौरान डीएम ने शासन की मंशा के अनुसार अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित लक्ष्य एवं कार्यों को (120 दिन) में चिन्हित कराते हुयें पूर्ण करने एवं कार्य का निर्वहन इमानदारी से ससमय पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि कार्य को करने में किसी भी प्रकार की बाधा आती है तो सीधे हमसे सम्पर्क कर शिकायत दर्ज करा

सकते हैं। शिकायत-सूचना पर तत्काल कार्यवाही की जायेगी। बैठक में जिलाधिकारी ने मनरेगा योजना के मूल बिन्दु-कैच द रैन अन्तर्गत तालाब, नाला/नाली, सुखारोधन कार्य, वृक्षारोपण, बाढ़ नियंत्रण के चिन्हित कार्य तथा ग्रामीण क्षेत्र में खेल के मैदान के निर्माण के साथ अन्य कार्य कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 40 श्रमिक प्रति ग्राम पंचायत में नियोजित किया जाय और उन्हे 100 दिन में पूर्ण होने तक कार्य दें। इसके लिए शासन की मंशा के अनुसार एन0एम0एम0एस0 प्रणाली (मोबाईल के माध्यम से कार्य स्थल पर श्रमिक की उपस्थिति दर्ज करने) के प्रयोग से ही कार्यरत श्रमिक की उपस्थिति दर्ज की जायेगी। बैठक के अंत में जिलाधिकारी द्वारा सचेत कराया गया कि यदि किसी भी अधिकारी/कार्मिक द्वारा भ्रष्टाचार व अनियमितता की सूचना प्राप्त होती है तथा वह जांच में दोषी सिद्ध होता है तो त्वरित कार्यवाही करते हुये निलम्बन के साथ-साथ सीधे कार्यमुक्त कर दिया जायेगा। भारत सरकार के दिशा निर्देश के अनुसार गाजीपुर में प्राचीन ऐतिहासिक तालाबों के साथ-साथ नए तालाब खुदे जाएंगे। कहा कि इन 75 तालाबों से जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा क्योंकि इन तालाबों के आसपास वृक्षारोपण, बैठने के लिए बेंच तथा लाइट की व्यवस्था की जाएगी। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इन 75 तालाबों पर झंडारोहण तथा जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

विंध्य धाम पहुंची मारीशस के प्रधानमंत्री की मां किया विंध्यवासिनी का दर्शन

प्रखर मिजार्पुर। मारीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद्र कुमार जगन्नाथ की मां और पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अनिरुद्ध जगन्नाथ की पत्नी श्रीमती सरोजनी जगन्नाथ ने अपने जन्मदिन पर बुधवार को माता विंध्यवासिनी का दर्शन पूजन किया । धाम में पहुंची प्रधानमंत्री के मां का नगाड़ा और शहनाई की धुन के साथ स्वागत किया गया । अपने जन्मदिन पर माता

विंध्यवासिनी का दर्शन करने के बाद कहा कि मारीशस और भारतीय संस्कृति में अंतर नहीं है । मां की कृपा से ही दर्शन करने का सौभाग्य मिला है । माताजी जो बोलेगा वही होगा । वाराणसी से कार द्वारा मिजार्पुर के विंध्याचल धाम में मारीशस के प्रधानमंत्री की मां और पूर्व प्रधानमंत्री की पत्नी सरोजनी जगन्नाथ अपने सहयोगियों के साथ पहुंची । उन्होंने स्थानीय अतिथि गृह में अल्प ठहराव के बाद माता विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाई । जिस वक्त पीएम की मां धाम में पहुंचीं मंदिर का कपाट बंद कर माता विंध्यवासिनी की आरती हो रही थी। उन्होंने झांकी से आरती को देखा । अपने जन्मदिन पर माता विंध्यवासिनी का आशीर्वाद मिलने पर प्रश्ननता जताया । घंटा शंख और शहनाई और नगाड़ों के धुन के बीच मां की आराधना कर मन्नत मांगी । सरोजनी जगन्नाथ दर्शन पूजन कर धाम में अन्य देवताओं को भी नमन कर मत्था टेका। उन्होंने कहा कि मारीशस और भारत की संस्कृति में अंतर नहीं है । दोनों देशों की संस्कृति एक जैसी हैं । कहा कि मेरी किस्मत है की आज माता रानी का दर्शन मिला । आज का दिन मेरे लिए विशेष है । दर्शन पूजन के बाद वह अष्टभुजा गेस्ट हाउस पहुंची । वहां अल्प विश्राम की व्यवस्था जिला प्रशासन के द्वारा की गई है । मॉरीशस के प्रधानमंत्री के मां के आगमन पर मंदिर में जाने के लिए मैटी बिछाया गया था, ताकि उन्हें कंकड़ पत्थरों से राहत मिल सके । इस मौके पर जिला प्रशासन के आलाधिकारी भी मुस्तैदो से डटे थे ।

संक्षिप्त खबरें

बृहस्पति फाउंडेशन द्वारा काशी की बिटिया रागिनी का विवाह सम्पन्न करवाया गया

प्रखर वाराणसी। बृहस्पति फाउंडेशन के संस्थापक अमित प्रजापति ने बताया कि हमारी टीम बनारस मे जगह - जगह दान लेकर इस बच्ची के लिए विवाह के लिए मदद किया। बच्ची के पिता की देहांत हो चुकी है व माँ लकवा रोग से ग्रसित है व घर की आर्थिक स्थिति खराब है। इस मौके पर बृहस्पति फाउंडेशन से अमित प्रजापति,अभिषेक सिंह, संस्कृति त्रिपाठी, हंसिका ,तनु ,सृष्टि प्रजापति,निखिल यादव,अमित यादव, सुशील बिंद, आलोक रंजन, रोहित सोनी, अरविंद चक्रवाल, चौरसिया, अंकुर कुमार,महेंद्र सिंह आदि लोग रहे।

बीटीटीए पदाधिकारियों ने शशी प्रताप सिंह को प्रदेश प्रवक्ता बनाए जाने पर बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने किया हर्ष व्यक्त

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। बी टी टी ए महामंत्री प्रकाश जायसवाल ने कहा कि बनारस टूरिस्ट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के मौजूदा सदस्य और जुझारू प्रवक्ता भाई शशि प्रताप सिंह को सुहलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने एक बार पुनः प्रदेश प्रवक्ता सुभासपा मनोनीत करने पर एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों एवम पूरे प्रदेश के टूरिस्ट ट्रांसपोर्टरों ने हर्ष व्यक्त किया व बधाई दी` वक्ताओं की कड़ी में अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि आज राजनीति में हमारे कमेटी के प्रवक्ता भाई शशि प्रताप सिंह जैसे समाजसेवी लोगों की बहुत जरूरत है यह सभी के सुख और दुख में खड़े होकर उनका साथ देने का काम साथ ही ट्रांसपोर्टरों से संबंधित टूरिस्टो से संबंधित और शासन प्रशासन से संबंधित सारे कार्य के लिए वह हमेशा अग्रसर रहे हैं और आगे भी अपने राजनीतिक और सामाजिक छवि के माध्यम से हम सभी लोगों को मदद और लाभ पहुंचाने का काम करते रहेंगे हम कमेटी के लोग आज इनका स्वागत अभिनंदन करते हैं` स्वागत करने वालों में अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह,संरक्षक प्रभाकर पांडे, विनोद कुमार सिंह महामंत्री प्रकाश जायसवाल, राकेश कुमार नंदी, माया सिंह, डब्लू सिंह, बंटी सिंह, दीनू गुप्ता, अनिल दास, एवंम समस्त कमेटी के पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया।

पूर्णकालिक सचिव कामायनी दूबे ने जिला जेल का किया निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। माननीय राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में आज दिन बुधवार 20 अप्रैल को जिला कारागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव कामायनी दूबे द्वारा जेल का निरीक्षण किया गया। बंदियों से निःशुल्क अधिवक्ता, जेल लोक अदालत तथा उनकी जेल अपील से संबंधित अन्य समस्याएं पूछी गयी एवं उनके यथोचित अधिकार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया तथा बंदियों को उनके संवैधानिक अधिकारों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस दौरान जेल अधीक्षक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में कुल 975 बंदी निरूद्ध है। जिसमें 884 पुरूष, 35 महिला बंदियों के साथ कुल 1 बच्चे निरूद्ध है व 56 अल्पवयस्क है। सुबह का नाश्ता दलिया, चाय, दोपहर का भोजन रोटी, चावल, उर्द राजमा की दाल सब्जी (आलू, पालक), शाम का भोजन रोटी, चावल, अरहर की दाल, सब्जी (आलू, पत्ता गोभी)। सचिव द्वारा पुरूष एवं महिला बैरक का भी निरीक्षण किया गया तथा जेल के कई बंदियों से बात कर उनकी समस्याओं को समझने के साथ ही उनके निस्तारण का निर्देश भी दिया। सचिव कामायनी दुबे ने कारापाल को जिला कारागार में स्थित जेल लीगल क्लीनिक पर विशेष रूप से ध्यान देने के निर्देश दिए, ताकि जेल में निरूद्ध बंदियों को समय से व समुचित विधिक सहायता प्राप्त हो सके। बैरक एवं कारागार परिसर में साफ-सफाई, मच्छरो के बचाव के लिए छिड़काव के लिए निर्देशित किया गया। इस अवसर पर कारापाल शिवकुमार यादव व उप करापाल उपस्थित रहे।

ब्लॉक स्तरीय स्वास्थ्य मेला आज

प्रखर पिंडरा वाराणसी। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत ब्लॉक स्तर पर लगने वाला स्वास्थ्य मेला 21 अप्रैल को विकास खंड के पिंडरा स्थित नेशनल इंटर कालेज में सुबह 9 बजे से शुरू होगा। उक्त जानकारी देते हुए प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी/ बीडीओ विकास चंद व प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ संतोष सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य मेले में सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देने के साथ विभिन्न विभाग के स्टाल भी लगेंगे। मेले का शुभारंभ क्षेत्रीय सांसद वीपी सरोज करेंगे।

पीस कमेटी बैठक का आयोजन

पीडीडीयू नगर। पुलिस अधीक्षक चन्दौली अंकुर अग्रवाल के निदेशानुसार आगामी त्यौहारों को शान्तिपूर्ण वातावरण में सकुशल सम्पन्न कराने,सुदृढ़ कानून-व्यवस्था एवं शांति और सौहार्द का माहौल बनाए रखने हेतु जनपद के समस्त थानों पर सम्बन्धित क्षेत्राधिकारीगण के निर्देशन में थाना प्रभारी गण द्वारा पीस कमेटी बैठक का आयोजन किया गया।जिसमें क्षेत्र के धर्मगुरुओं,समाज के अन्य प्रतिष्ठितजनों विभिन्न समुदायों के संभ्रांत व्यक्तियों,ग्राम प्रधान,नगर पंचायत सदस्य आदि उपस्थित रहे। बैठक में प्रतिभाग करने वाले लोगों के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मांगे गये,पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए निदेशों को समस्त क्षेत्राधिकारीगण/ प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षों द्वारा उपस्थित सभ्रान्त व्यक्तियों को स्पष्ट शब्दों में बताया गया कि बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की शोभायात्रा या धार्मिक जुलूस नहीं निकाला जाएगा।

अपने कार्य के दौरान अनुपस्थित पाये गये सफाई कर्मचारियों के विरूद्ध होगी नियमानुसार कार्यवाही

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रायः यह देखा जा रहा है कि जनपद की ग्राम पंचायतों में पदस्थ सफाई कर्मचारियों द्वारा अपने तैनाती के ग्राम पंचायतो में ससमय उपस्थित रहकर साफ-सफाई का कार्य नियमित रूप से नही किया जा रहा है, जिसके फलस्वरूप आये दिन कतिपय ग्राम प्रधानों एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा शिकायतें की जाती है। सफाई कर्मचारियों का अपने तैनाती के ग्राम पंचायत में समय से उपस्थित न रहना एवं ग्राम की साफ-सफाई का कार्य नियमित रूप से न करना अत्यन्त ही आपत्तिजनक है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने जिला पंचायत राज अधिकारी को आदेशित किया है कि ग्राम पंचायतों में तैनात समस्त सफाई कर्मचारियों की प्रत्येक कार्य दिवस में 2 बार (प्रातः 07 बजे एवं अपरान्ह 02 बजे) पूर्व में दिये गये निदेशों के क्रम में ग्राम में स्थापित बायोमैट्रिक मशीन के माध्यम से उपस्थिति सुनिश्चित कराते हुए ग्राम पंचायत की साफ-सफाई का कार्य नियमित रूप से कराया जाय तथा बायोमैट्रिक मशीन की उपस्थिति के आधार पर ही सफाई कर्मचारियों का वेतन आहरण की कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित करेंगे। यदि भविष्य में यह पाया गया कि किसी भी सफाई कर्मचारी का वेतन का आहरण बिना बायोमैट्रिक उपस्थिति के आधार पर किया जाता है तो जिला पंचायत राज अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) संयुक्त रूप से उत्तरदायी होंगे तथा इनके विरूद्ध नियमानुसार कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

बैठक कर किया जागरूक

पीडीडीयू नगर। पुलिस अधीक्षक चन्दौली अंकुर अग्रवाल द्वारा पुलिस कार्यालय में जनपद के हिन्दू एवं मुस्लिम समाज के प्रबुद्धजन, धर्मगुरुओं के साथ बैठक कर शासन के निदेर्शों/गाइडलाइन से अवगत कराते हुए अपेक्षा की गयी कि जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी प्रकार की अफवाह व उन्माद फैलाने वालों के बारे में तत्काल 112 नम्बर अथवा संबंधित थाने को सूचित करें।सभी से आपसी सद्भाव/शांति एवं सौहार्द बनाये रखते हुए त्योहार मनाने हेतु अपील की गयी।किसी भी धार्मिक स्थल/कार्यक्रम आदि में भीड़ एकत्रित न करने और अपने अनुयायियों व आप-पास के व्यक्तियों को भी इस हेतु प्रेरित एवं जागरूक करने हेतु कहा गया।

बिजली विभाग की मॉर्निंग रेड में 43 के ऊपर एफआईआर दर्ज

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बिजली विभाग इन दिनों बिजली बकायेदारों और अवैध तरीके से बिजली का उपभोग करने वालो के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार करते हुए लगातार कड़ी कार्यवाही भी कर रही है। इसी क्रम में अधीक्षण अभियंता सी.बी. सिंह के निर्देश पर बुधवार को शहर क्षेत्र के पुलिस लाइन, चीरघर, प्रसादपूर, आदर्श बाजार, हुसैनपुर एव सहित उसके आस पास के क्षेत्रों में विद्युत विभाग की टीम द्वारा मॉर्निंग रेड किया गया। इस दौरान विद्युत चोरी पर अंकुश लगाने, लाइन लास कम करने के लिए अभियान चलाया गया। इस दौरान सीधे चोरी करते हुए 17 लोग एवं मीटर से अलग केबल खीचकर 26 लोगों के ऊपर संबंधित धारा में ऋक्षकिया गया। चेकिंग टीम के प्रभारी उपखंड अधिकारी शिवम राय ने बताया कि शहर क्षेत्र में आगे भी कभी भी कही भी मॉर्निंग रेड पड़ सकता है। उन्होंने

बताया कि दस हजार से ऊपर के बकायेदारों की सूची बनी हुई है, जिसमे ऐसे बकायेदार उपभोक्ताओं को सूची के आधार पर प्रतिदिन चेकिंग के दौरान पकड़कर केबिल डिस्कनेक्ट की जाएगी एव बकाया पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। उन्होंने आम उपभोक्ताओं से अपील किया कि जिनका भी दस हजार से ऊपर के बकाया है वे लोग तत्काल अपना बकाया राशि शहर क्षेत्र के नजदीकी कैश काउंटर पर अपना बिल का भुगतान तत्काल जमा कर दे। अन्यथा मॉर्निंग रेड में विद्युत चोरी करते हुए पकड़े जाने पर कठोर कार्यवाही करते हुवे पेनाल्टी के तौर पर राजस्व हानि भी उन्ही उपभोक्ताओं से नोटिस भेजकर आरसी के तहत वसूला जाएगा। चेकिंग टीम में मुख्य रूप से अवर अभियंता अविनाश सिंह के साथ साथ समस्त विद्युत कर्मी मौजूद रहे।

कृष्णा वर्मा हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बीते दिनों नगर के कचौड़ी गली में युवक कृष्णा वर्मा का शव मिलने से पूरे नगर में सनसनी फैल गई थी। लोग तरह तरह के कयास लगा रहे थे कि हत्या किन करणो से हुई। सदर कोतवाली पुलिस ने हत्या के चौथे दिन ही युवक कृष्णा वर्मा हत्याकांड का खुलासा कर दिया। पुलिस ने हत्या में शामिल पत्नी को बुधवार की सुबह सुखदेवपुर चौराहा से गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही पर मृतक की बाइक भी बरामद किया। पुलिस ने दावा किया कि हत्या में शामिल महिला के पति को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। बताते चले कि सदर कोतवाली क्षेत्र के तुलसिया पुल बहुपुरा मोहल्ला निवासी दो दिन से गायब कृष्णा वर्मा (45) का हत्या कर फेंका गया शव बीते रविवार की सुबह नखास के पास कचौड़ी गली में मिला था। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस के साथ ही एसपी रामबदन सिंह मौके पर पहुंच गए थे। एसपी ने मृतक के परिजनों से पूछताछ करते हुए कोतवाली पुलिस को शीघ्र मामले का पदार्फाश करने का निर्देश दिया था। मृतक के बड़े भाई की तहरीर पर हत्या का मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। इसी क्रम में

बुधवार की सुबह सदर कोतवाली क्षेत्र के सुखदेवपुर चोराहा के पास से पुलिस ने हत्या में शामिल एक महिला को गिरफ्तार कर लिया। सदर कोतवाल विमलेश मौर्य ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर किला कोट कोहना निवासी रीता पटवा को गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर मृतक कृष्णा वर्मा की बाइक भी बरामद कर ली गई है। जबकि हत्या में शामिल रीता के पति बबलू पटवा की तलाश की जा रही है और उसे भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि पूछताछ में अभियुक्त रीता ने बताया कि मकान की रजिस्ट्री कराकर पूरा पैसा न देने व मकान पर कब्जा करने को लेकर हम लोगों ने विंध्याचल दर्शन करने जाने के बहाने कृष्णा को अपने घर बुलाया था और उसे जमकर शराब पिलाया। जब पूरी तरह से नशे में हो गया तो लोहे की राड से मारकर उसकी हत्या कर दिया। शव को अपने घर में छिपाकर रखे रहने के बाद अगली रात कम्बल में लपेट कर कचौड़ी गली में फेंक दिया था। थानाध्यक्ष में बताया कि अभियुक्त का संबंधित धाराओं में चालान कर दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में कोतवाल के साथ बुजुर्गा चौकी प्रभारी धीरेन्द्र सिंह, आरक्षी नीतेंद्र कुमार, आरक्षी सदानंद, महिला आरक्षी यविधा और महिला आरक्षी पूजा चौधरी शामिल थी।

समस्याओं का समाधान न होने पर वकील पर करेंगे प्रदर्शन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। पिंडरा तहसील के अधिवक्ताओं द्वारा समस्याओं के समाधान न होने व तहसील में व्याप्त अनियमितता को लेकर अब आर पार की लड़ाई का निर्णय लिया है। बुधवार को तहसील बार एसोसिएशन की हुई बैठक में बार एसोसिएशन द्वारा उठाये गए मुद्दे पर तहसील के अधिकारियों द्वारा 20 दिन से वकीलों के हड़ताल पर होने के बावजूद ध्यान व वार्ता न करने का आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी जानबूझ कर समस्याओं को दर किनार कर रहे। जिससे आम जनता परेशान है। वकीलों ने कहाकि दो दिन के अंदर समस्याओं के बाबत वार्ता कर समाधान नहीं किया गया तो अब वकील धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य होंगे। वही इस बाबत पीएमओ कार्यालय, मुख्यमंत्री , राजस्व परिषद व आयुक्त, जिलाधिकारी को भी शिकायती पत्र वकीलों द्वारा भेजा गया। बैठक में बार अध्यक्ष मनोज कुमार शुक्ला, महामंत्री जयचंद कुमार, प्रितराज माथुर, राजेश पटेल, राजेश श्रीवास्तव, श्यामशंकर सिंह, राजू सिंह, राजेश गौतम, रुकनुद्दीन खा समेत अनेक वकील रहे।

मुन्ना कुमार शर्मा ने भारत के प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री को लिखा पत्र रोहिंग्या, बांग्लादेशी को देश से बाहर निकालने एवं जेहादी संगठन पीएफआई, सीएफआई को प्रतिबंधित करने की मांग की

प्रखर पूर्वान्चल नई दिल्ली। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने पत्र लिखकर भारत के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं शहरी विकास मंत्री से भारत में अवैध

रूप से घुसपैठ कर निवास कर रहे रोहिंग्या एवं बांग्लादेशी घुसपैठियों को तत्काल देश से बाहर करने, जहांगीरपुरी की अवैध कालोनी को ध्वस्त करने, श्री हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा पर हमला करने वाले जेहादियों पर कठोर कार्रवाई करने व जेहादी संगठन पीएफआई एवं सीएफआई को अविलंब प्रतिबंधित करने की मांग की है। अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुन्ना कुमार शर्मा ने हिन्दू त्योहारों के अवसर पर मुस्लिम गुंडों द्वारा व्यवधान उत्पन्न करने एवं धार्मिक यात्राओं पर हमले करने की तीव्र निंदा की है उन्होंने कहा कि यदि मुस्लिम समुदाय द्वारा हिंदुओं पर हमले होते रहे तो हिंदुओं को बदले की कार्यवाही करने से कोई नहीं रोक पाएगा यदि सरकार ने हिंदुओं को सुरक्षा नहीं दी और मुस्लिम अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की, तो हिन्दू महासभा भारत के हिंदुओं के साथ मिलकर सुरक्षा सेना बनाकर हिंदुओं की सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा।उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में हिंदुओं की सुरक्षा भगवान भरोसे है। पुलिस और प्रशासन की उपस्थिति में भी जेहादियों द्वारा हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं यह स्थिति अत्यंत ही चिंताजनक है।सरकार हिंदू पर्वों एवं शोभायात्राओं के दौरान पूर्ण सुरक्षा प्रदान करे।

थाने पर इंतजार करते रह गए ग्रामीण नहीं आए क्रेशर व्यवसाई

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। क्षेत्र के पहाड़ियों पर मानको को दरकिनार कर चल रहे क्रेशर प्लांटों से उड़ने वाले धूल गर्दे से परेशान बियाहुर के ग्रामीणों द्वारा गांव के पूरब तरफ चल रहे क्रेशर प्लांटो पर मंगलवार को

ग्रामीणों को घर भेजने के बाद पुलिस ने गिरफ्तार किए गए 6 लोगों को भेजा जेल, ग्रामीणों में आक्रोश

सुबह क्रेशर प्लांटों पर रहने वाले कर्मचारियों से की गई मारपीट के बाद पुलिस ने बुधवार को सुबह दस बजे ग्रामीणों को पंचायत करने के लिए थाने बुलाया था थाने पहुंचे ग्रामीण घंटों क्रेशर संचालकों का इंतजार करते रह गए लेकिन क्रेशर संचालक नहीं आएं इसके बाद पुलिस ने ग्रामीणों को घर वापस भेज दिया । और रात में हिरासत में लिए गए छः युवकों को क्रेशर संचालकों द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया

। जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया ग्रामीणों ने गांव में प्रदर्शन कर पुलिस के खिलाफ नारे लगाए और क्रेशर संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग किया । बता दें की थाना क्षेत्र के भगौती देई , लालपुर ,एकली ,सोनपुर ,आनंदी पुर धूरियां ,जिगना ,सहित अन्य पहाड़ियों पर पांच दर्जन से अधिक क्रेशर प्लांटों का संचालन मानको को दरकिनार कर किया जा रहा है । इन क्रेशर प्लांटो से उड़ने वाले धूल गर्दे से ग्रामीण परेशान है और समय-समय पर क्रेशर प्लांटों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करते रहते हैं । लेकिन क्रेशर प्लांट संचालकों द्वारा ग्रामीणों की आवाज को दबा दिया जाता हैं । और ग्रामीणों के ऊपर मुकदमे लिख उनको जेल भेज दिया जाता है । यही हाल मंगलवार को हुए विवाद में बियाहुर गांव के लोगों का भी हुआ और क्रेशर प्लांट संचालक की तहरीर पर मुकदमा लिख कर ग्रामीणों को पुलिस ने जेल भेज दिया । बियाहुर के ग्रामीणों का कहना है कि भगौती देई एवं बियाहुर गांव के पूरब तरफ बिना बाउंड्री वाल एवं मानकों को दर किनार करके चलने वाले आधा दर्जन से अधिक क्रेशर प्लांटों से उड़ने वाले धूल गर्दे के गुबार से हम ग्रामीण परेशान है । जब हम लोग इन क्रेशर प्लांट संचालकों से पानी छिड़कने की मांग करते हैं तो प्लांट संचालक ग्रामीणों को धमकियां देते हैं और कहते हैं तुम लोगों को जो करना हो कर लो हम प्लांट इसी तरह चलाएंगे जिससे आक्रोशित कुछ लड़कों द्वारा मंगलवार को क्रेशर प्लांट संचालकों के साथ मारपीट हो गई । ग्रामीणों की मांग है कि क्रेशर प्लांट मानकों के अनुसार चलाया जाए । धूल गर्दे से मानव जीवन पर जहां प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है वही पशु पक्षी भी धूल गर्दे से परेशान है । धूल से फसलें बर्बाद हो जा रही है लेकिन हम ग्रामीणों की सुनने वाला कोई नहीं है । थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने बताया कि क्रेशर संचालकों की तहरीर पर क्रेशर प्लांट पर तोड़फोड़ करने वालों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी 6 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है ।

समतामूलक समाज के प्रणेता थे डॉ आंबेडकर - जयप्रकाश सिंह

प्रखर पिंडरा वाराणसी। बोधिसत्व बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह समिति मंगारी क्षेत्र (बुद्ध विहार गंगापुर) में बाबा साहब डॉ0 अंबेडकर की 131वी जयंती समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष/पूर्व नेशनल कोआर्डिनेटर बसपा के

जयप्रकाश सिंह ने कहा कि बाबा साहब डॉ0 अंबेडकर भारत को समता,स्वतंत्रता, न्याय,बंधुत्व पर आधारित संविधान बनाकर देश की एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान किये। मुख्य वक्ता अरुण कुमार प्रेमी रहे। विशिष्ट वक्ता संजू चौधरी ,जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य , डा.बृजेश भारतीय, जिला पंचायत सदस्य अर्चना सिंह पटेल, सविता देवी, सुभाष जैसल,शुभावती रहीं। अध्यक्षता अर्जक संघ के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री रामजी वर्मा , स्वागत अभिनन्दन राजीव कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार मुन्ना ने की। इस अवसर पर इं.नवीन भारत, लालचंद्र प्रसाद, शिवलाल, रामचन्द्र फोटोग्राफर, आशीष गौतम, राधेश्याम, धीरज,सूरज, बलदाऊ, संजीव, मिथिलेश,अमरेश, हरिशंकर व गुड्डू समेत अनेक लोग रहे।

चूल्हे की चिंगारी से लगी आग एक पशु तीन साइकिल व मोटरसाइकिल जलकर हुई खाक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के बियाहुर गांव में बुधवार की दोपहर में चूल्हे की चिंगारी से उठी आग गौशाला की झोपड़ी में लग गई और गौशाला धू-धू करके जलने लगा गौशाला में बधे आधा दर्जन पशु आग से तड़प कर झुलस गए जिनको ग्रामीणों ने किसी तरह बाहर निकाला वही एक पशु की आग में झुलसने से मौत हो गई । इसके साथ ही गौशाला में रखी तीन साइकिल एक मोटरसाइकिल भी जलकर खाक हो गई । आग जलता देख आसपास के ग्रामीण इकट्ठा हो गए और अपने अपने घरों से पानी लें जाकर एवं टुल्लू पंप के सहारे आग पर काबू पाया । जानकारी के अनुसार बियाहुर गांव निवासी राम सिंह उर्फ मल्लू के गौशाला की झोपड़ी घर के बगल में थीं बुधवार को दोपहर में खाना बनाते समय चूल्हे की चिंगारी किसी तरह गौशाला की झोपड़ी में लग गई और गौशाला की झोपड़ी धू-धू कर जलने लगी यह देख सैकड़ों की संख्या में आसपास के लोग अपने-अपने घरों से बाल्टी में पानी लेकर पहुंच गए । वहीं कई लोग टुल्लू पंप लगाकर आग बुझाने लगे और गौशाला में बधे लगभग आधा दर्जन पशुओं को ग्रामीण अपनी जान पर खेल कर बाहर निकाला । इसके बाद भी एक बछिया की झुलस कर मौत हो गई और गौशाला की झोपड़ी में खड़ी की गई तीन साइकिल एक मोटरसाइकिल भी जलकर खाक हो गई । स्थानीय ग्रामीणों ने तहसील प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए गरीब परिवार को मुआवजा दिए जाने की मांग किया है ।

प्राथमिक विद्यालय बरेवा में पुस्तकालय का लोकार्पण

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नरायनपुर विकासखंड में स्थित प्राथमिक विद्यालय बरेवां में बुधवार को ग्राम प्रधान किरन शुक्ला की अध्यक्षता में आशा ट्रस्ट वाराणसी के द्वारा एक देश समान शिक्षा अभियान के तहत आशा बाल पुस्तकालय का लोकार्पण ट्रस्ट के संयोजक वल्लभाचार्य पांडेय ने किया। इस अवसर पर श्री पांडेय ने कहा कि आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के चलते बच्चों में पुस्तकों व पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने की लगातार रूचि कम होती जा रही है। ऐसी दशा में किताबों को पढ़ने के लिए बच्चों में जागरूकता की आवश्यकता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखकर ट्रस्ट बच्चों में ज्ञानवर्धक पुस्तकों के प्रति जागरूकता पैदा करते हुए उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से देश के विभिन्न हिस्सों में सरकारी गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में आशा बाल पुस्तकालय की स्थापना करवा रही है । उन्होंने यह भी बताया कि पुस्तकों को पढ़ने के बाद बच्चों अध्यापकों अभिभावकों के सुझाव व मार्गदर्शन के आधार पर पुस्तकालय को और आगे विस्तार देने पर कार्य प्रस्तावित है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य देवराज सिंह सहित सहायक अध्यापिका पूनम सिंह , शिक्षामित्र चुन्नी देवी व पार्वती देवी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शुक्ला ने किया।

फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सदस्य प्रकाश यादव उर्फ बबलू पर प्राणघातक हमला होने के संबंध में डी.सी.पी. वरुणापार जोन व वेंडिंग जोन संबंधित अधिकारी से की गयी वार्ता

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सदस्य प्रकाश यादव उर्फ बबलू के ऊपर 18 अप्रैल को दबंग प्रभावशाली व्यक्ति सलमान द्वारा प्राणघातक हमले से आक्रोशित पटरी व्यवव्सायो ने फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह महादेव के नेतृत्व में पीड़ित परिवार के आवास पर जाकर संपूर्ण जानकारी प्राप्त कर लालपुर/पांडेयपुर थाना प्रभारी, डी.सी.पी. वरुणापार जोन व वेंडिंग जोन संबंधित अधिकारी से वार्ता कर अभियुक्तों के खिलाफ संगीन धारा बढ़ाने व गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही करने की मांग की गयी है। फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति राजेंद्र प्रसाद सिंह महादेव ने कहा कि अगर पुलिस प्रशासन संगीन धाराओं व गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही नहीं करेगा तो हम सभी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगे ` प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी महानगर महामंत्री जगदीश त्रिपाठी,पार्षद शैलेंद्र श्रीवास्तव,पार्षद मदन दुबे,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव,फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम, विजय यादव धर्मराज गुप्ता, सुरेंद्र यादव, राजेंद्र , आदर्श तिवारी सैकड़ों पटरी व्यवसायी उपस्थित हुए।

काशी विद्यापीठ ब्लाक में स्वास्थ्य मेले में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा सम्बन्धी कार्य, मॉडल टीएलएम पोस्टरों की रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ सुनील पटेल ने की सराहना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। ब्लाक काशी विद्यापीठ में स्वास्थ्य मेले में शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा व स्वास्थ्य सम्बन्धी पोस्टरों की रोहनिया विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ सुनील पटेल ने सराहना की। प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सनत कुमार सिंह, खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रदीप मिश्र, खण्ड विकास अधिकारी डॉ रक्षिता सिंह के साथ विधायक डॉ सुनील पटेल व अपना दल के अध्यक्ष नरेंद्र पटेल द्वारा मेले में शिक्षा विभाग द्वारा लगाए गए काउंटर पर बहुद्देशीय शिक्षण सामग्री का अवलोकन कर किया। विधायक डॉ सुनील पटेल ने ब्लाक स्वास्थ्य मेले में बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा सम्बन्धी कार्य, मॉडल,टीएलएम पोस्टरों की सराहना की इस मौके पर- सरिता राय, नीलम राय, आराधना दुबे, डॉ०उषा सिंह, माधवी श्रीवास्तव, नीलू त्रिपाठी,निधि कवल, नीलिमा सिन्हा, रुचि सिंह, पियाली मुखर्जी, मधु सोनकर, अंजुलता सिंह, रश्मि दुबे,सोनी सोनकर, संगीता, रविन्द्र सिंह, राजेश सिंह, मनोज कुमार, दुर्गा मिश्रा, अतुल तिवारी, संदीप गौतम उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत नियारडीह में ग्राम पंचायत की खुली मीटिंग करायी गई

प्रखर दानगंज वाराणसी। ग्राम प्रधान धीरेंद्र कुमार मौर्य ग्राम पंचायत अधिकारी सचिन त्रिपाठी द्वारा यह मीटिंग रखी गई थी जिसमें सैकड़ों ग्रामवासी इकट्ठा हुए मीटिंग में मुख्य मुद्दा नाली खड़ंजा साफ सफाई और राशन का दुकान रहा ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम सभा में एक ही सस्ते गल्ले की सरकारी दुकान है पारसनाथ मिश्रा का जिस पर 619 पीएचएस पात्र गृहणी और 50 अंत्योदय कार्ड है टोटल 669 कार्ड है जिसकी यूनिट 3115 है गांव वालों का मांग है कि गांव में दो सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान होनी चाहिए लोगों को 2 से ढाई किलो मीटर जाकर दुकान से राशन लेने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है गांव में जनसंख्या ज्यादा है पर राशन कार्ड में तरह पूरे परिवार का यूनिट नहीं जुड़ा है इसकी शिकायत ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान से ग्राम वासियों ने किया ग्राम पंचायत अधिकारी ने यह आश्वासन दिया कि इसके लिए हम सप्लाई विभाग में एप्लीकेशन भेजेंगे उसके बाद इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

तमंचा, कारतूस और चोरी की बाइक के साथ दस हजार का इमानिया बदमाश गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। बड़ेसर थाना पुलिस ने बुधवार को मलिकपुरा के पास से दस हजार के एक इमानिया बदमाश को गिरफ्तार किया। उसके पास तमंचा-कारतूस के साथ ही बाइक बरामद किया। बरेसर थानाध्यक्ष राजेश बहादुर सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिन बुधवार को पुलिस कर्मियों के साथ क्षेत्र में भ्रमणशील थे। इसी दौरान क्षेत्र के मलिकपुरा पुलिया के पास से एक वांछित दस हजार के इनामिया को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा एक कारतूस के साथ ही चोरी की बाइक बरामद किया। उन्होंने बताया में गिरफ्त में आया बदमाश मऊ जिले के हलधरपुर थाना के डीहतिलक ठाकुर मेउड़ी निवासी राजू बनवासी है। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में एसओ के साथ सर्विलांस प्रभारी उपनिरीक्षक शशिचंद चौधरी, उपनिरीक्षक तरून कुमार श्रीवास्तव, कां संजय प्रसाद, कां. दिनेश कुमार, कां. प्रमोद कुमार, कां. चालक ओमप्रकाश सिंह, कां. शनि कुमार, कां. दिवाकर सिंह और कां दुर्गेश खरवार शामिल थे।

विधानसभा कार्यालय पर मनाई गई राष्ट्रीय अध्यक्ष की प्रथम पुण्यतिथि

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज ब्यूरो। नगर पंचायत बृजमनगंज कस्बे मे उ.प्र.उधोग ब्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्व.श्याम बिहारी मिश्रा की प्रथम पूण्यतिथि फरेंदा विधानसभा अध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में कालेज रोड स्थित कार्यालय पर किया गया।

जिसमें कस्बे के ब्यापारी बंधु, संगठन के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।कार्यक्रम का संचालन विधानसभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदम्बा जायसवाल द्वारा किया गया।सर्व प्रथम कस्बे के वरिष्ठ ब्यवसायी एवं ब्यापार मंडल संरक्षक रुपनरायन जायसवाल, रामकुमार कसौधन, भाजपा नेता राकेश जायसवाल द्वारा स्व. श्याम बिहारी मिश्रा के तस्वीर पर धूपबत्ती जलाकर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी उसके उपरांत सभी व्यापारियों एवं पदाधिकारियों ने एक एक कर पुष्प अर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी।इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को कोटि कोटि नमन करते हुए कहा कि वह भारतीय जनता पार्टी से जुड़े कुशल राजनीतिज्ञ थे वह चार बार लोकसभा लोकसभा सांसद रह चुके। भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर पहली बार सन 1991 में कानपुर क्षेत्र के बिल्हौर लोकसभा सीट से सांसदी का चुनाव जीता था। इसके बाद श्याम बिहारी मिश्रा ने लगातार 1996, 1998 और 1999 में चुनाव जीता था। राजनीति से दूरी बनाने के बाद वह भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष के पद थे।उन्हे व्यापारियों का पितामाह भी कहा जाता था। 20 अप्रैल 2021 मे कोरोना के कारण उनका निधन हो गया। वर्तमान में प्रदेश में चल रहे तमाम व्यापार मंडल, उनके व्यापार मंडल से टूट कर अगल हुए है।संगठन से ही हमारी पहचान बनती है, इसलिए संगठन हमारे लिए सर्वोपरि होना चाहिए।संगठन के प्रति हमारी निष्ठा और समर्पण किसी व्यक्ति के लिए नहीं, उससे जुड़े विचार के प्रति होनी चाहिए।संगठन के बिना मानव जीवन अधूरा है, अतः हर क्षेत्र में जहाँ भी रहें हम सभी ब्यापारी संगठित रहें । कार्यक्रम में भाजपा नेता राकेश जायसवाल,मंत्री नीरज जायसवाल, उपाध्यक्ष देवेंद्र उर्फ राजू जायसवाल, मंत्री गौरव जायसवाल, उपाध्यक्ष संगम जायसवाल, उपाध्यक्ष श्याम प्रकाश जायसवाल,मीडिया सेल मधुर श्याम,सुरेश जायसवाल,संगठन मंत्री राजकुमार वर्मा, विनोद कुमार जायसवाल, मंत्री दिनेश जायसवाल, उपाध्यक्ष गणेश जायसवाल, राजाराम, रिंकू, दिलीप वर्मा,रामकुमार, हरिश्चंद्र जायसवाल, धीरज जायसवाल, उमेश भारती सहित आदि लोग मौजूद रहे।

आगामी त्यौहार ईद व अक्षय तृतीया को शांतिपूर्ण, सकुशल संपन्न कराने को लेकर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने की बैठक

प्रखर संत कबीर नगर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार की अध्यक्षता मे आगामी त्यौहार ईद व अक्षय तृतीया को शान्तिपूर्ण वातावरण में सकुशल ढंग से सम्पन्न कराने हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में पीस कमेटी की मीटिंग की गई, जिसमें विभिन्न समुदायों के संभ्रांत व्यक्तियों, ग्राम प्रधान, नगर पंचायत सदस्य एवं धार्मिक गुरु तथा राजस्व विभाग व पुलिस के उच्चाधिकारी एवं कर्मचारीगण शामिल हुए । मीटिंग मे प्रतिभाग करने वाले सम्भ्रान्त व्यक्तियो के साथ संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया व उनसे सुझाव भी मागे गये तथा उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया गया । जिलाधिकारी महोदय द्वारा बताया गया कि त्यौहारों में जुलूस निकालते समय किसी प्रकार के विवादित नारे या डीजे पर विवादित गाने बजाना पूर्णतः वर्जित है । पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार ने कहा कि जनपद में असामाजिक व अराजकता फैलाने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी, यदि आपके संज्ञान में ऐसा कोई मामला आता है तो तुरंत संबंधित थाना पुलिस को अवगत कराएं जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटित ना होने पाए । सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है जो भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, भ्रामक व अफवाह पोस्ट करेगा उसके विरुद्ध कठोरतम विधिक कार्यवाही की जाएगी । जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को बिजली, पानी एवं साफ सफाई की सुदृढ़ व्यवस्था त्योहारों के दौरान करने हेतु निर्देशित भी किया गया । मीटिंग के दौरान अपर जिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह, समस्त उपजिलाधिकारी क्षेत्राधिकारी एवं जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक व थानाध्यक्ष उपस्थित रहे ।

हेड कांस्टेबल धनंजय राय के निधन पर पुलिस अधीक्षक सोनम कुमार शहीद पुलिसकर्मियों ने दी भावभीनी श्रृद्धांजलि

प्रखर संत कबीर नगर। हे0का0 धनंजय राय जो कि डायल 112 की पीआरवी संख्या 1485 पर नियुक्त थे जिनको स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या होने पर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया दौरान इलाज आकस्मिक निधन हो गया । इस आकस्मिक निधन पर पुलिसकर्मियों व प्रशासनिक अधिकारी ने शोकाकुल है व उनके परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की तथा शोकाकुल परिवार को इस अथाह दुःख की घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को सहनशक्ति प्रदान करें। आपको बता दें कि धनन्जय राय मूलतः जनपद गोरखपुर के थाना बांसगाँव के विशुनपुर के निवासी थे । रिजर्व पुलिस लाइन सन्तकबीरनगर पर आयोजित श्रृद्धांजलि कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर सोनम कुमार अपर पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर संतोष कुमार सिंह क्षेत्राधिकारी लाइन राजीव कुमार यादव सहित अन्य पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा नम आंखों से भावभीनी श्रंद्धांजलि व कन्धा दिया गया वहीं हे0का0 श्री धनंन्जय राय के घर के सदस्यों सहित गाँव के अन्य लोग भी उपस्थित थे । पुलिस अधीक्षक सन्तकबीरनगर सोनम कुमार द्वारा सभी परिवारजनों तथा शुभचिंतकों के प्रति इस दुख की घड़ी में शोक संवेदना व्यक्त की गयी ।

संक्षिप्त खबरें

संदिग्ध परिस्थितियों में खेत मे लगी आग, मचा हड़कंप

प्रखर पिंडरा वाराणसी। सिंधोरा कस्बा के समीप स्थित संतोष सिंह के खेत मे संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने गेहू की खड़ी फसल जलकर राख हो गई। बताते है बुधवार को दोपहर 12 बजे सिंधोरा कस्बे के पीछे स्थित गेहू के खेत मे अचानक आग लग गई। आग की उठती लपट देख लोगों में हड़कम्प मच गया। समीप कस्बा होने के कारण लोगों के हाथ पॉव फूलने लगे। फायर ब्रिगेड के साथ सिंधोरा पुलिस को सूचना दी गई। इसी दौरान कुछ ग्रामीणों ने हिम्मत कर पानी व मिट्टी डालना शुरू किया। तब जाकर किसी तरह आग बुझ पाई। वही मौके पर पहुचे सिंधोरा निवासी व खेत मालिक संतोष सिंह ने गेहू की खड़ी 2 बीघा खेत मे आग से नुकसान होने की बात कही। उन्होंने रंजिशवश खेत मे आग लगाने की आशंका भी जताई। सिंधोरा पुलिस ने कहाकि तहरीर मिलने पर कार्यवाही होगी।

योग गुरु बाबा रामदेव 24 को बरजी में सिखाएंगे योग

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विश्व योग गुरु बाबा रामदेव आगामी 24 अप्रैल को पिंडरा विस-क्षेत्र के बरजी में ग्रामीणों को योग सिखाने के साथ ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष व पूर्व आईएएस एन पी सिंह ने बताया कि बाबा रामदेव 23 अप्रैल को बाबतपुर एयरपोर्ट पर सायंकाल में पहुचेंगे और बरजी में रात्रि विश्राम करेंगे। दूसरे दिन 24 अप्रैल को सुबह 5 बजे से साढ़े 9 बजे तक बनारस पब्लिक स्कूल बरजी के प्रांगण में योग शिविर के माध्यम से लोगों को योग सिखाने के साथ जागरूक करेंगे। इसकी तैयारियां पतंजलि योगपीठ और स्थानीय स्कूल प्रशासन की तरफ से तेज कर दी गई है। आयोजक एन पी सिंह ने निशुल्क होने वाले उक्त योग शिविर में अधिकाधिक संख्या में ग्रामीणों से भाग लेने की अपील की।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर बाजी मारे शशि प्रकाश चंदन

प्रखर दानगंज वाराणसी। भारी गहमा-गहमी के बीच हुए महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर शशि प्रकाश चंदन ने बाजी मारी है।वही उपाध्यक्ष शिवजनक गुप्ता व पुस्तकालय मंत्री पद पर शुभम कुमार पाल निर्वाचित हुए।महामंत्री पद पर लिंगदोह कमेटी के नियमानुसार अभिषेक सोनकर निर्वाचित घोषित किए गए। महामंत्री पद पर विजेता बराबर होने के कारण फैसला 4 पदों के लिए इतिहास में यह पहला मौका था जब महज 31.7 फीसदी मतदान हुआ।चुनाव का मतगणना के दौरान सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए गए थे! शशि प्रकाश चंदन ने बताया कि यह जीत मेरी नहीं पूरे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के छात्र छात्राओं की जीत हुई है।मैं उनके बीच सदैव जिस तरह से पिछले समय से लोगों के बीच में रहते आया हूं।मैं उसी तरह हमेशा सभी भाइयों एवं बहनों वह छात्र हितों का साथ दूंगा।व कंधे से कंधा मिलाकर चलने का काम करूंगा।अध्यक्ष शशि प्रकाश चंदन ने बताया समाजवादी पार्टी के तमाम पदाधिकारियों का धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूं। जो मुझे इस काबिल समझे।

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन प्रोग्राम का आयोजन

प्रखर दानगंज वाराणसी। भदवां ग्राम पंचायत में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता सम्बन्धी कल्चरल एक्टिविटी इसी कड़ी में दानगंज चोलापुर के भदवा गांव में नुक्कड़ सभा के माध्यम से लोगों को जागरूक करते हुए समझाया गया कि भोजन से पहले और शौच के बाद साबुन से हाथ अवश्य दें । खुले में शौच न करें शौचालय का ही प्रयोग करें। पेयजल स्रोतों के आस पास सफाई रखें पानी इकट्ठा न होने दें और मच्छर से बचाव करें। और दिमागी बुखार का Stor जरूर लगाएं नुक्कड़ नाटक सभा की टीम अमित कुमार यादव प्रशिक्षक कोऑर्डिनेटर विकास पाल नुक्कड़ सभा के संचालक राबिया प्रवीण अखिलेश कुमार के द्वारा नुक्कड़ सभा किया गया जिसमें गांव की औरतें बच्चे और बुजुर्ग लोग उपस्थित रहे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं